MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 26 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-25

तेलंगाना के 7 पद्मश्री

नई दिल्ली, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल कुल 131 पद्म पुरस्कारों को प्रदान करने की स्वीकृति दे दी है। इनमें तेलुगु भाषी दो राज्यों से तेलंगाना के सात एवं आंध्र प्रदेश के चार विभूतियों को पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। राष्ट्रपति मुर्मू इन सभी को राष्ट्रपति भवन में इस वर्ष मार्च अथवा अप्रैल में आयोजित होने वाले विशेष समारोह में सम्मानित करेंगी।

तेलंगाना के चंद्रमौली गद्दामानुगू एक प्रख्यात रक्षा वैज्ञानिक हैं। वे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में आकाश मिसाइल प्रणाली, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल परियोजना के निदेशक रह चुके हैं। यह प्रणाली वर्तमान में भारत की रक्षा संपत्तियों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने 21, 24 एवं 26 फरवरी 2014 को भारतीय सेना के लिए आकाश मिसाइल के सभी परीक्षणों में भाग लिया। उनका जन्म 30 अक्टूबर 1959 को खम्माम जिले के मधिरा में हुआ।

दीपिका रेड्डी तेलंगाना की प्रतिष्ठित भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना, कोरियोग्राफर एवं नृत्य शिक्षिका हैं तथा कुचिपुड़ी कला की प्रमुख प्रतिपादक हैं। उन्हें 2017 में कुचिपुड़ी के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे जुलाई 2022 से दिसंबर 2023 तक तेलंगाना राज्य संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष भी रहीं। उनका जन्म 15 सितंबर 1965 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता वी. आर. रेड्डी भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल, एकीकृत आंध्र प्रदेश के एडवोकेट जनरल एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रह चुके हैं। उनकी माता राधिका रेड्डी प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना थीं।

हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमारस्वामी थंगराज को मानव आनुवंशिकी में उनके अग्रणी शोध के लिए पद्मश्री 2026 से सम्मानित किया गया है। वे मानव उत्पत्ति, स्वास्थ्य एवं बीमारियों के क्षेत्र में शोध कार्य का नेतृत्व कर चुके हैं। अंडमान द्वीप समूह के आदिवासियों की उत्पत्ति से जुड़ा उनका शोध वैश्विक स्तर पर चर्चित रहा है।

▶10 पर

नामपल्ली अग्निकांड में पाँच मरे

सरकार ने किया 5 लाख मुआवजे का ऐलान

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के नामपल्ली स्टेशन रोड स्थित एक फर्नीचर शोरूम में शनिवार को लगी भीषण आग ने दो मासूम बच्चों सहित पांच लोगों की जान ले ली। रविवार को अधिकारियों ने इस दुखद घटना की पुष्टि की। इस हादसे ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है। राज्य के राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है। निर्दोष लोगों की मृत्यु पर शोक जताते हुए मंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 5 लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने हैदराबाद जिला कलेक्टर सुश्री हरि चंदना को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रारंभिक जांच के हवाले से मंत्री ने बताया कि यह भीषण आग दुकान मालिक की लापरवाही के कारण लगी।

▶10

लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए मतदान अनिवार्य : सतीश कुमार गुप्ता

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता ने नागरिकों से लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए अनिवार्य रूप से मतदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है और मतदान इसके संरक्षण एवं सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अंतर्गत 25 जनवरी (रविवार) को संजीव्या पार्क, नेकलेस रोड पर जरींह2तेंश एवं #Oath2Vote और #Run4Vote INDIA (VOTEaTHON) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जन-जागरूकता अभियान का उद्देश्य नागरिकों को संविधान में निहित मूल्यों के प्रति जागरूक करना तथा निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार मतदान के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को मतदान के महत्व से अवगत कराते हुए विश्व की सबसे ऊँची इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का प्रदर्शन किया गया, जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में प्रत्येक मत की शक्ति और महत्त्व का प्रतीक है। साथ ही उपस्थित नागरिकों को संविधान के प्रति सामूहिक शपथ दिलाई गई तथा प्रतीकात्मक वोटाथॉन के माध्यम से मतदान के प्रति जन-चेतना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।आयोजकों के अनुसार यह अभियान लोकतंत्र के सक्रिय स्वरूप को समर्पित एक सामूहिक प्रयास है, जिसमें आम नागरिकों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से अन्नदान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी नागरिकों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसे उपस्थितजनों ने ग्रहण कर सेवा भाव की सराहना की।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि मतदान करना प्रत्येक नागरिक का केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। प्रत्येक मतदाता को इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागी बनना चाहिए और मतदान से कभी वंचित नहीं रहना चाहिए।

संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यक्रम मतदाता जागरूकता की दिशा में एक अत्यंत प्रभावी पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यक्रम में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति अपने राष्ट्रीय कर्तव्य का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करेगा।

संयोजक महेश अग्रवाल ने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त मतदान का अधिकार हम सभी के लिए सौभाग्य है, जिसका प्रयोग पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए।राधे-राधे ग्रुप द्वारा हैदराबाद नगर में निरंतर संचालित अन्नदान कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए विप्र फाउंडेशन तेलंगाना के अध्यक्ष हरिशंकर ओझा ने कहा कि आज के समय में जब अनेक लोग जीवनयापन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप द्वारा निराश्रितों को भोजन उपलब्ध कराना अत्यंत भावपूर्ण एवं सराहनीय कार्य है।नगर के समाजसेवी सुरेश शर्मा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा संचालित निःस्वार्थ सेवा प्रकल्प समाज के अन्य संगठनों एवं नागरिकों के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में राधे-राधे ग्रुप के संयोजक मंडल एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सरड़ा, भगतराम गोयल, गोपाल गोयल, गौरव गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, कैलाशचंद केड़िया, निर्मला केड़िया, युवान केड़िया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, शीतल गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, अनिता नथानी, राजेश नथानी, प्रीतिका अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, दीपक अग्रवाल सहित अनेक सदस्य एवं नागरिक उपस्थित रहे।

देश का है गुलामी की मानसिकता के अवशेषों से मुक्त होने का समयबद्ध संकल्प : मुर्मू

नयी दिल्ली, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि विभिन् क्षेत्रों में अग्रणी रही भारत की महान विरासत में इधर सबसे महत्वपूर्ण काम यह हो रहा है कि देश ने गुलामी की मानसिकता के अवशेषों से मुक्त होने का समयबद्ध संकल्प लिया है। श्रीमती मुर्मु ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह सबसे गौरव की बात है कि आज का भारत, नये आत्म-विश्वास के साथ, अपनी गौरवशाली परम्पराओं के प्रति सचेत होकर आगे बढ़ रहा है। हाल के वर्षों में हमारी आध्यात्मिक परंपरा के पवित्र स्थलों को जन-चेतना के साथ जोड़ा गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि इधर महत्त्वपूर्ण काम यह हो रहा है कि देश ने नियत अवधि में गुलामी की मानसिकता के अवशेषों से मुक्त होने का समयबद्ध संकल्प लिया है। सरकार और जनता के बीच की दूरी को कम किया जा रहा है। आपसी विश्वास पर आधारित सुशासन पर बल देते हुए अनेक अनावश्यक नियमों को निरस्त किया गया है और कई अनुपालनों के पालन को खत्म कर आम जनता के हित में सभी जटिल व्यवस्थाओं को सरल बनाते हुए टेक्नॉलॉजी के माध्यम से लाभार्थियों को सुविधाओं से सीधे जोड़ा जा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में दर्शन, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, गणित, साहित्य तथा कला की महान विरासत उपलब्ध है। गर्व की बात यह है कि मज्ञान भारतम् मिशनफ जैसे प्रयासों से भारतीय परंपरा में उपलब्ध रचनात्मकता को संरक्षित और प्रसारित किया जा रहा है। मिशन भारत की लाखों अमूल्य पाण्डुलिपियों में संचित विरासत को आधुनिक संदर्भों में आगे बढ़ाएगा। भारतीय भाषाओं तथा ज्ञान परम्परा को प्राथमिकता देकर आत्म-निर्भरता के प्रयासों को सांस्कृतिक आधार प्रदान किया जा है।

उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ जीवन को आसान बनाने को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले दशक के दौरान राष्ट्रीय लक्ष्यों को जनभागीदारी के माध्यम से प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों को जन-आंदोलन का रूप दिया गया है। गांव-गांव में, नगर-नगर में स्थानीय संस्थाओं को प्रगतिशील बदलाव का माध्यम बनाया गया है।

बीएमसी मेयर का चुनाव फरवरी में होगा

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ महायुति गठबंधन के सहयोगी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच सीट बंटवारे और पद आवंटन पर बातचीत अधूरी रहने के कारण बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मेयर पद के लिए चुनाव अब फरवरी में होगा।

इससे पहले बीएमसी प्रशासन ने घोषणा की थी कि मेयर चुनाव के लिए नामांकन पत्र 27 जनवरी तक स्वीकार किए जाएंगे और मतदान 31 जनवरी को दोपहर में कराया जाएगा।फइस संबंध में आदेश नगर आयुक्त भूषण गगरानी ने जारी किए थे।

भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) ने महायुति गठबंधन के हिस्से के रूप में बीएमसी चुनाव एक साथ लड़ा था और 114 के बहुमत के आंकड़े को पार करते हुए 118 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बावजूद, अब तक किसी भी पार्टी ने औपचारिक रूप से अपना नगर निगम समूह गठित नहीं किया है। यह भी साफ नहीं है कि दोनों पार्टियां एक ही गठबंधन समूह के रूप में रजिस्टर करेंगी या नहीं। इसके अलावा, मेयर और स्थायी समिति अध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों पर बातचीत अभी तय नहीं हुई है। नतीजतन, मुंबई मेयर चुनाव कुछ और दिनों के लिए टाला जा सकता है।

एयरपोर्ट पर 12.50 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त, चार गिरफ्तार

अहमदाबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां) । अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को सीमा शुल्क और पुलिस अधिकारियों बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 12.50 करोड़ रुपए मूल्य की हाइब्रिड मारिजुआना जब्त की है। इस दौरान चार यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ होने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, यह गिरोह हवाई मार्ग का इस्तेमाल कर नशीले पदार्थों को भारत में ला रहा था। अधिकारियों को दक्षिण-पूर्व एशिया से भारत में नशीले पदार्थों की संभावित तस्करी को लेकर विशेष खुफिया जानकारी मिली थी। इसी इनपुट के आधार पर बैंकॉक से अहमदाबाद आने वाली एक उड़ान के यात्रियों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान यात्रियों के सामान में संदिग्ध वस्तुएं पाई गईं, जिसके बाद विस्तृत तलाशी ली गई।

वरिष्ठ सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिबंधित हाइब्रिड मारिजुआना की बड़ी खेप बरामद की गई। यह मादक पदार्थ प्लास्टिक के पैकेटों में छिपाकर रखा गया था और इसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 12.50 करोड़ रुपए आंका गया है।

अधिकारियों ने बताया कि हाइब्रिड मारिजुआना सामान्य गांजे की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली और महंगा होता है तथा भारतीय कानून के तहत इस पर पूरी तरह प्रतिबंध है।

चारों आरोपियों को मौके पर ही हिरासत में लेकर बाद औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक वडोदरा का निवासी है, जबकि अन्य तीन पंजाब से ताल्लुक रखते हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह खेप गुजरात किस उद्देश्य से लाई गई थी और पीछे सक्रिय आपूर्ति श्रृंखला में कौन-कौन लोग शामिल हैं।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच से संकेत मिले हैं कि इन नशीले पदार्थों को देश के प्रमुख शहरों में सप्लाई करने की योजना थी, जहां इनकी मांग लगातार बढ़ रही है। अधिकारी आरोपियों के यात्रा रिकॉर्ड, वित्तीय और संभावित अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की भी जांच कर रहे हैं, ताकि इस तस्करी से जुड़े बड़े नेटवर्क तक पहुंचा जा सके।

युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं नितिन नबीन : योगी

मथुरा, 25 जनवरी (एजेंसियां) । प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन संग प्रधानमंत्री के 'मन की बात' सुनी। वृंदावन के अक्षयपात्र में आयोजित कार्यक्रम में दोनों नेता सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने पहली बार यूपी के दौरे पर पहुंचे भाजपा अध्यक्ष का ब्रज की पर स्वागत-अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने राधे-राधे, वृंदावन बिहारी लाल, राधा रानी, यमुना मैया, हर-हर महादेव, जय श्रीराम, भारत माता की जय, और वंदे मातरम की गूंज के साथ आध्यात्मिक व राष्ट्रवादी चेतना का संचार करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं। बिहार विधानसभा में पांचवीं बार विधायक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। संगठन के विभिन्न पदों का निर्वहन करने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा ने नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नया दायित्व दिया है। इस दायित्व पश्चात योगेश्वर श्रीकृष्ण की पावन धरा पर उनका प्रथम आगमन आह्लादकारी क्षण है।

सीएम योगी ने कहा कि ब्रज प्राचीन काल से तीर्थ भूमि रही है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव तीर्थ हजारों वर्षों से सनातन धर्मावलंबियों के लिए प्रेरणा हैं। यहां के रज-रज, कण-कण में श्रीकृष्ण, रानी और हजारों वर्षों की विरासत का अंश श्रद्धालु आज भी ढूंढते हैं। उसके साथ तारतम्य स्थापित करने का प्रयास करते हैं। अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पावन जन्मभूमि भी मथुरा में पड़ती है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से ब्रज भूमि भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत साथ ही विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करते हुए बढ़ रही है।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी अब 'बीमारू' नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का ब्रेकथ्रू बनकर संबल बन रहा है। पांच साल से अधिक समय से यूपी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में है। डबल इंजन डबल स्पीड के साथ बड़े-बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों को धरातल पर उतारती है। हर नागरिक को सुरक्षा का अहसास कराती है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं के साथ बिना भेदभाव वंचित, नौजवान, किसान, महिलाओं समेत हर तबके को वरीयता के आधार पर शासन की योजना का लाभ दे रही है। डबल सरकार के माध्यम से यूपी में विकास की योजनाओं को बिना भेदभाव गांव से शहर तक, प्रत्येक जगह प्रभावी ढंग से लागू करने का कार्य देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी का नौजवान अब पहचान के लिए मोहताज नहीं है। देश में अब वह कहीं जाकर गर्व से कह सकता है कि मैं यूपी का नागरिक हूं। एक समय था, जब यूपी के सामने पहचान का संकट खड़ा किया गया था, लोग यहां की विरासत को कोसते थे, हमें अपमानित करते थे, बीमारू राज्य होने के कारण हमारे बारे में लोगों का दृष्टिकोण भिन्न लेकिन यूपी अब बीमारू नहीं है। देश के विकास के अभियान में जुड़कर यहां के युवा, किसान व आधी आबादी भी कार्य कर रही है। यह भाजपा के प्रति आमजन के विश्वास का प्रतीक है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन, प्रेरणा व नेतृत्व में उत्तर ने पिछले 9 वर्ष में विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। सीएम योगी ने विश्वास जताया कि इस गति को और तेजी से बढ़ाने के लिए यूपी का एक-एक कार्यकर्ता प्राणप्रण से जुटकर वर्तमान व भावी भविष्य के निर्माण में योगदान देगा।

एस जयशंकर ने अमेरिकी सांसदों से की, द्विपक्षीय संबंधों और इंडो-पैसिफिक पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां) । भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में अमेरिकी कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल मुलाकात की। इस मुलाकात में माइक रोजर्स, एडम स्मिथ और जिमी पैट्रोनिस के साथ भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी शामिल थे। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में विकास और चल रहे यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की। इस मुलाकात की जानकारी विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देते हुए लिखा, अमेरिकी डेलीगेशन के साथ अच्छी बातचीत हुई, जिसमें प्रतिनिधि माइक रोजर्स, रिप्रेजेंटेटिव एडम स्मिथ और जिमी पैट्रोनिस के साथ-साथ भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर शामिल थे। भारत-अमेरिका संबंधों, इंडो-पैसिफिक और यूक्रेन विवाद के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा हुई। बातचीत

हमेशा हमारे रिश्ते का एक अहम पहलू रही है। बता दें, इससे पहले 18 जनवरी को विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स से मुलाकात की थी और द्विपक्षीय संबंधों और इसके रणनीतिक महत्व पर चर्चा की। बैठक के बारे में ईएएम ने जानकारी देते हुए लिखा, सुबह दिल्ली में सीनेटर स्टीव डेन्स से मिलकर खुशी हुई।

हमारे द्विपक्षीय संबंधों और इसके स्ट्रेटेजिक महत्व पर बड़े पैमाने पर और खुली चर्चा हुई।इससे पहले 13 जनवरी को अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने ईएएम जयशंकर से फोन पर बात की थी। दोनों नेत-ाओं ने इंडो-पैसिफिक में न्यूक्लियर एनर्जी, ट्रेड बातचीत और क्षेत्रीय सुरक्षा सहित सहयोग के मुख्य क्षेत्रों का रिव्यू किया।रुबियो के साथ बातचीत को लेकर ईएएम जयशंकर ने कहा, ट्रेड, जरूरी मिनरल्स, न्यूक्लियर कोऑपरेशन, डिफेंस और एनर्जी पर चर्चा हुई। इन और दूसरे मुद्दों पर संपर्क में रहने पर सहमत हुए।फोन पर ने भारत को ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल के लिए सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी बिल (परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन एवं विकास बिल/ शांति) लागू करने पर बधाई दी। अमेरिकी राज्य विभाग के प्रिंसिपल उपप्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि यह एक हालिया कानून है जो भारत के एनर्जी फ्रेमवर्क का हिस्सा है।

पिगॉट ने कहा, उन्होंने अमेरिका-भारत सिविल न्यूक्लियर कोऑपरेशन को बढ़ाने, अमेरिकन कंपनियों के लिए मौके बढ़ाने, शेयर्ड एनर्जी सिक्योरिटी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और जरूरी मिनरल सप्लाई चेन को सुरक्षित करने के लिए इस जरूरी विकास का फायदा उठाने में दिलचस्पी दिखाई।

पिगॉट ने उन्होंने क्षेत्रीय विकास पर भी अपने विचार शेयर किए, और एक स्वतंत्र व खुले इंडो-पैसिफिक के लिए अमेरिका और भारत के कमिटमेंट को फिर से पक्का किया।

वहीं अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इसे एक सकारात्मक कॉल बताया। गोर ने एक्स पर लिखा, उन्होंने हमारे द्विपक्षीय ट्रेड नेगोशिएशन, जरूरी और अगले महीने होने वाली मीटिंग के बारे में अगले चरण पर चर्चा की। अमेरिका दोनों देशों के बीच सिविल न्यूक्लियर कोऑपरेशन को मजबूत करने के लिए कानून पर काम करने में दिलचस्पी रखता है।

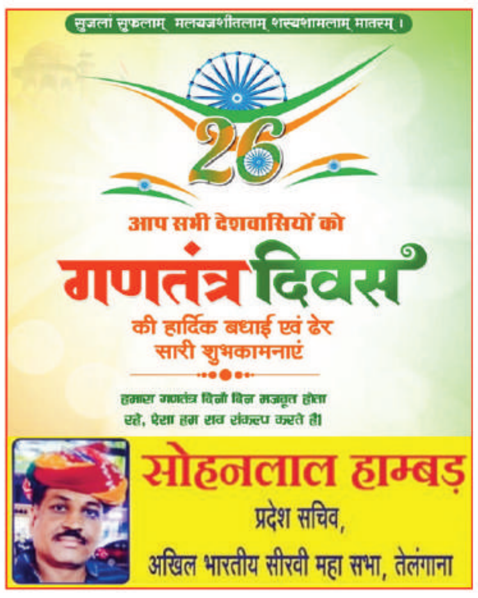

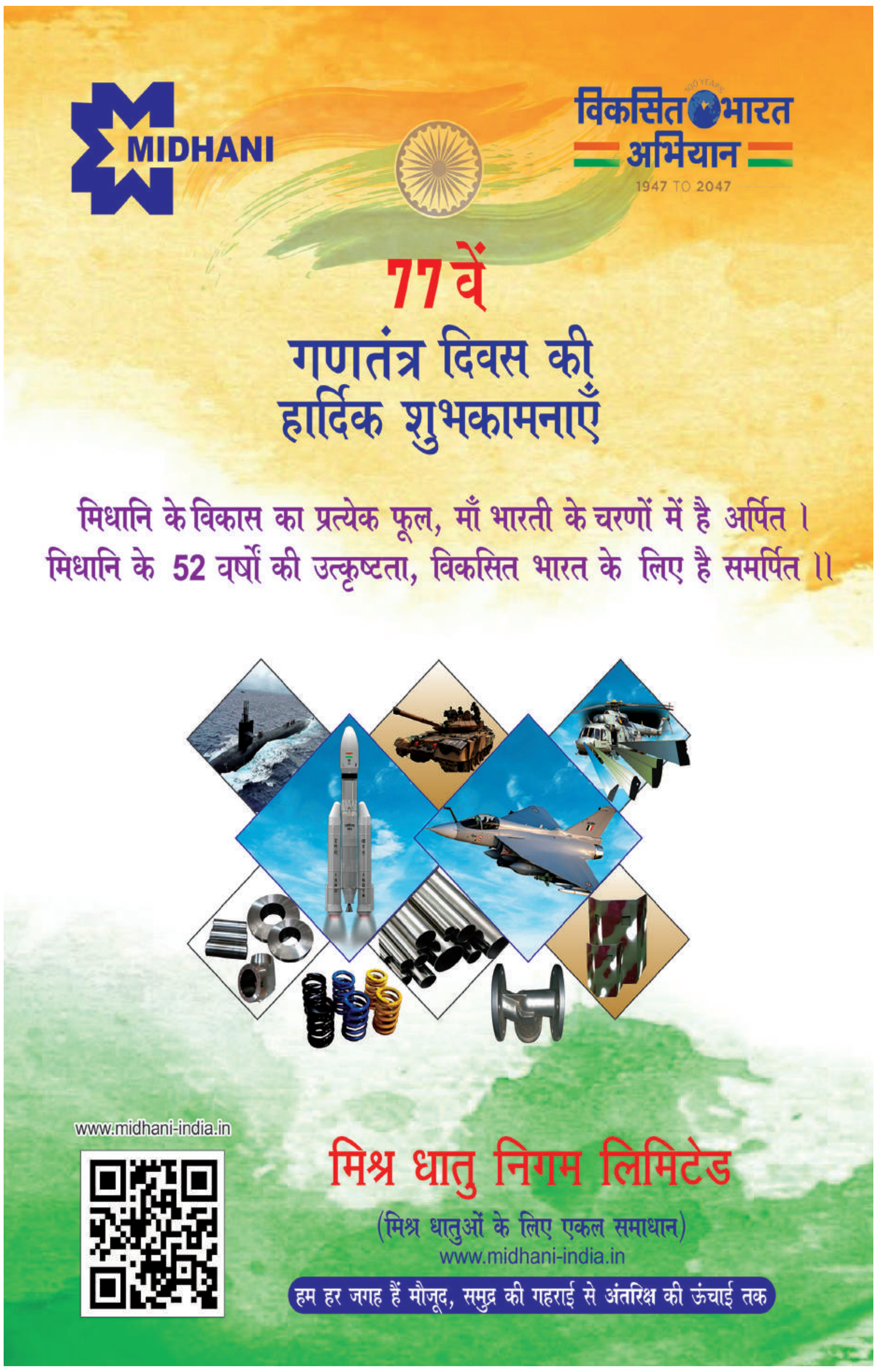

उठावना

जन्म
दि. 29-06-2012

स्वर्गवास
दि. 23-01-2026

रुद्रशरण राठी

(सुपौत्र : लक्ष्मीनारायण राठी 'लच्छु भाई')
(सुपुत्र : पुरुषोत्तम राठी)

उठावना आज सोमवार दि. 26-1-2026 को मध्याह्न 1:00 से 1:30 बजे तक **माहेश्वरी भवन**, बेगम बाजार, हैदराबाद पर होगा।

आज की बैठक : दोपहर 2:00 से 4:00 बजे तक माहेश्वरी भवन पर रहेगी।

– शोकाकुल –

अशोक कुमार (इन्दौर), घनश्यामदास, लक्ष्मीनारायण (लच्छु भाई), गोपालदास, गिरधारीलाल, वल्लभदास (दादा), आनन्द कुमार, मनीष, मनीष (एर्रागड्डा), राधेश्याम (बड़े पापा), पुरुषोत्तम (पिता), प्रकाशचन्द, मुरलीमनोहर, अश्विन, राहुल, गोविन्द (चाचा), साक्षात, नमन, यश, हृदय, युवराज, प्रणव, धर्व, श्रेष्ठ, वीर (भाई) एवं समस्त राठी परिवार

बालकिशन घनश्यामदास राठी

'सर्वेश्वर कुंज', शंकर बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद

आर. घनश्यामदास राठी — राधे सर्वेश्वर (मनीष पैकेजिंग)
रुद्र ड्राई फ्रुट्स — युवराज चिट फण्ड प्रा. लि.

बेगम बाजार, हैदराबाद

बैठक : प्रतिदिन दोपहर 3 से 5 बजे तक निवास स्थान पर रहेगी

नटकिरीटी राजेंद्र प्रसाद को पद्मश्री पुरस्कार से किया गया सम्मानित

पिछले चार दशकों से तेलुगु सिनेमा पर अपनी हंसी बिखेरने वाले आंध्र चापलिन और क्रिक गन मुरुगन राजेंद्र प्रसाद को आखिरकार पद्मश्री सम्मान मिल गया है। 300 से अधिक फिल्मों के अपने सफर में उन्होंने एनटीआर, एएनआर से लेकर आज के सुपरस्टार महेश बाबू और अल्लू अर्जुन तक, हर पीढ़ी के साथ काम किया है।

जीवन और फिल्मी सफर:

✻ पृष्ठभूमि: 19 जुलाई, 1956 को कृष्णा जिले के निम्मकूरु में जन्मे डॉ. गद्दे राजेंद्र प्रसाद ने सिरेमिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया, लेकिन अभिनय के प्रति जुनून उन्हें फिल्मी दुनिया में ले आया।

✻ शुरुआत: 1977 में बापू द्वारा निर्देशित फिल्म स्नेहम से उन्होंने शुरुआत की। 1980 से 2000 के बीच वह तेलुगु सिनेमा के कॉमेडी किंग बनकर उभरे।

✻ प्रमुख फिल्में: लेडीज टेलर, अहा ना पेलंटा! और अप्पुल अप्पाराव जैसी फिल्मों ने उन्हें सफलता के शिखर पर पहुँचाया। वहीं आ नलुगुरु जैसी फिल्मों से उन्होंने अपनी संजीदा अदाकारी का लोहा मनवाया।

हालिया सम्मान (2025):

✻ वर्ष 2025 में उन्हें एनटीआर इंटरनेशनल अवॉर्ड और टी.एल. कांताराव मेमोरियल अवॉर्ड से नवाजा गया।

✻ वह आज भी रॉबिनहुड और षष्टिपूर्ति जैसी फिल्मों के जरिए सक्रिय हैं। हाल ही में कल्कि 2898 एडी में उनके ब्रह्मम के किरदार को काफी सराहा गया।

एक अनूठी विरासत:

पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने स्वयं कहा था कि वे राजनीतिक तनाव के समय राजेंद्र प्रसाद की फिल्में देखकर सुकून पाते थे। कोरोना काल के दौरान, जब लोग घरों में अकेले थे, तब उनकी फिल्मों ने लोगों के लिए मानसिक ऑक्सीजन का काम किया। चार दशकों की इस लंबी यात्रा के बाद मिला यह पद्म श्री सम्मान उनकी कला का सच्चा सम्मान है।

–सुरेश कश्यप
सीनियर जर्नलिस्ट

शिवांगी जोशी का गिल्टी प्लेजर आया सामने आज भी देखती हैं बचपन वाले कार्टून

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री शिवांगी जोशी अपने अभिनय के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया कि आज भी उन्हें बचपन के पसंदीदा कार्टून देखना पसंद है। दरअसल, हाल ही में शिवांगी बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट 'ऑनेस्टली, व्हाई नॉट?' में गई थीं। इस दौरान उन्होंने कई सारी बातें कीं। इसी के साथ अभिनेत्री ने बताया कि आज भी कार्टून उनका कंफर्ट वॉच है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें आज भी ओसवॉल्ड, नॉडी और डोरेमोन जैसे पुराने कार्टून देखना पसंद है। अभिनेत्री ने कहा कि ये कार्टून उनके बचपन की यादें ताजा करते हैं और मन को सुकून देते हैं।

शो के दौरान होस्ट ने अभिनेत्री से सवाल पूछा, क्या उनका कोई गिल्टी प्लेजर या शौक है, जिसे वह छुपकर करती हैं? तो इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, गिल्टी प्लेजर है कार्टून बिंज-वॉच करना। जब मैं छोटी थी तब जो कार्टून देखती थी, वही आज भी देखती हूं। ओसवाल्ड, नॉडी और डोरेमोन मेरे फेवरेट हैं। उन्होंने आगे कहा, अभी भी मुझे बार्बी की फिल्में देखना भी बहुत पसंद है। ये सब मुझे अच्छा फील करवाते हैं, और अभी मैं उनकी जिंदगी का हिस्सा बनी हुई हूं और कभी दूर नहीं होती। इसी के साथ ही शिवांगी ने शेयर किया कि जब उनके पास फ्री टाइम होता है और वे कुछ नहीं कर रही होतीं तो उन्हें बस सोना और कुछ भी न करना सबसे अच्छा लगता है। वे अपने कमरे में अकेले रहकर आराम करना पसंद करती हैं।

शिवांगी जोशी ने कहा, जब मैं कुछ नहीं कर रही होती, तो मुझे कुछ भी न करना पसंद है। बस सोना और कुछ भी न करना। अपने कमरे में रहना और रिलेक्स करना।

अभिनेत्री ने अपने करियर में कई टीवी शोज में काम किया है। इसी के साथ ही वे हाल ही में मेडिकल ड्रामा सीरीज 'हार्टबीट' से ओटीटी में डेब्यू कर चुकी हैं।

तस्करी में प्रिया बनकर छाईं जोया अफरोज, कहा- इस किरदार के लिए किया हजारों किलोमीटर का सफर

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका सफर सिर्फ कामयाबी की कहानी नहीं होता, बल्कि धैर्य, सीख और लगातार आगे बढ़ने की मिसाल भी होता है। अभिनेत्री जोया अफरोज उन्हीं में से एक हैं। बतौर बाल कलाकार फिल्मों के सेट पर कदम रखने वाली जोया आज नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज 'तस्करी' में प्रिया के मजबूत और जटिल किरदार के लिए सराहना बटोर रही हैं। 'तस्करी' को न सिर्फ देश में, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी पहचान मिल रही है और यह जोया के करियर का एक अहम पड़ाव बन चुका है। आईएएनएस से बात करते हुए जोया अफरोज ने कहा, ''मैंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' के सेट पर काम शुरू किया और इसके बाद रमेश सिप्पी, रोहन सिप्पी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ भी काम किया।''

जोया ने बताया कि फिल्म 'कुछ ना कहो' समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने के बाद उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट और मॉडल खूब अनुभव हासिल किया। इसके बाद मिस इंडिया बनने और मिस इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, लेकिन अभिनय हमेशा पहली पसंद रहा।

जोया ने कहा, ''इतनी छोटी उम्र में काम शुरू करने का फायदा यह रहा कि मुझे इंडस्ट्री को बहुत करीब से समझने का मौका मिला। बड़े निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम करके मैंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। सफर भले ही लंबा रहा हो, लेकिन बेहद संतोषजनक रहा है। आज 'तस्करी' जैसी ओटीटी सीरीज का हिस्सा बनना और उसका नंबर वन होना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।''

'तस्करी' में जोया ने प्रिया का किरदार निभाया है, जो एक एयर होस्टेस है और कस्टम अधिकारियों और तस्करों की दुनिया के बीच फंसी हुई है। यह किरदार चुनौतीपूर्ण है। जोया ने कहा, ''यह रोल मुझे इसलिए खास लगा, क्योंकि निर्देशक नीरज पांडे महिला किरदारों को बेहद मजबूती और गहराई के साथ लिखते हैं। प्रिया कोई साधारण महिला पात्र नहीं है, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने वाली अहम कड़ी है।'' इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने का अनुभव साझा करते हुए जोया ने कहा, ''जब मुझे 'तस्करी' का ऑफर मिला, तब मैं असम में अपने ननिहाल में थी। अचानक कॉल आया। मैंने बिना किसी गारंटी के तुरंत बैग पैक किया और हजारों किलोमीटर का सफर तय कर ऑडिशन के लिए पहुंचीं। उसी दिन मेरा लुक टेस्ट हुआ और मुझे फाइनल कर लिया गया। अगले ही दिन वर्कशॉप और फिर शूटिंग शुरू हो गई। नीरज पांडे जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक का ऐसा भरोसा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा।'' उनके लिए सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण सीन इमरान हाशमी के साथ इंटेरोगेशन का था, जो उनका पहला शूटिंग सीन भी था। उन्होंने कहा, पहली ही सुबह, पहला शॉट और इतना इमोशनल सीन था कि मैं काफी नर्वस हो गई थी, लेकिन आज वही सीन दर्शकों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है।

इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव पर जोया ने कहा, वह बेहद सहज, समझदार और जमीन से जुड़े अभिनेता हैं। सेट पर उनकी मौजूदगी सीन को और बेहतर बना देती है। नीरज पांडे और इमरान हाशमी की जोड़ी बेहद रियल है। दोनों ही कहानी और किरदारों में सच्चाई लाते हैं।

अपने करियर को लेकर जोया ने कहा, मैं खुद को कभी अलग-अलग रास्तों में नहीं बांधती। मेरे लिए अभिनय, मिस इंडिया और फिर अभिनय में वापसी, सब एक ही सफर का हिस्सा है। 'तस्करी' मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि है और आगे भी मैं ऐसे ही दमदार किरदार निभाना चाहती हूं।

जब सेहत बनी प्राथमिकता: जाकिर खान से लेकर सामंथा तक, इन सेलेब्स ने हिम्मत दिखाकर लिया करियर से ब्रेक

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री बाहर से जितनी चमकदार दिखती है, अंदर से उतनी ही थकाने वाली भी होती है। लगातार काम, बिना रुके शूटिंग, टूर, ट्रैवल और लोगों की उम्मीदों का बोझ, इन सबके बीच कलाकार अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन जब शरीर और दिमाग जवाब देने लगते हैं, तब ब्रेक लेना मजबूरी नहीं बल्कि समझदारी भरा कदम बन जाता है। हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान ने सेहत के चलते स्टेज शो से लंबे ब्रेक का ऐलान किया। ऐसा करने वाले वह अकेले नहीं हैं। उनसे पहले भी कई सेलेब्स ने करियर के पीक पर होते हुए भी सेहत को प्राथमिकता दी और काम से दूरी बनाई। जाकिर खान ने अपने शो के दौरान खुलासा किया कि वह लंबे समय तक स्टेज से दूर रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन्होंने अपनी हेल्थ और निजी कारणों की वजह से लिया है। पिछले करीब दस सालों से जाकिर लगातार टूर कर रहे थे। दिन में लगातार कई शो, नींद की कमी, अनियमित खान-पान और लगातार ट्रैवल, यह सब उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय तक इस थकान को नजरअंदाज करते रहे, लेकिन अब लगा कि समय रहते रुकना जरूरी है। जाकिर ने बताया कि वह 2028-29 या 2030 के आसपास ही स्टेज पर वापसी करेंगे।

जाकिर से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी भी ऐसा ही कदम उठाया था। फिल्म 'रॉकस्टार' से शानदार डेब्यू करने वाली नरगिस से लोगों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन लगातार काम और अपेक्षाओं का दबाव उन्हें अंदर से तोड़ने लगा। नरगिस ने बाद में इस पर खुलकर बात की और एक इंटरव्यू में बताया कि कि वह मानसिक रूप से ठीक महसूस नहीं कर रही थीं। साल 2016-17 के आसपास उन्हें एहसास हुआ कि काम उन्हें खुशी नहीं दे रहा है। बैक-टू-बैक फिल्में, इंडस्ट्री का प्रेशर और अपने परिवार व दोस्तों से दूरी, इन सबने मिलकर उन्हें मानसिक तनाव में डाल दिया। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला किया और न्यूयॉर्क जाकर अपने परिवार के साथ वक्त बिताया। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में यह डर दिखाया जाता है कि अगर आप ब्रेक लेंगे तो लोग आपको भूल जाएंगे, लेकिन उनके लिए उस वक्त मेंटल और फिजिकल हेल्थ ज्यादा जरूरी थी। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु की कहानी भी प्रेरक है। सामंथा को मायोसाइटिस जैसी गंभीर बीमारी का सामना करना पड़ा। इस बीमारी के चलते उन्हें शूटिंग छोड़नी पड़ी और इलाज के लिए अमेरिका जाना पड़ा। उस समय वह करियर के बेहतरीन दौर में थीं, लेकिन उन्होंने बिना किसी झिझक के ब्रेक लिया।

सूरज बड़जात्या की फिल्म के सेट से अनुपम खेर का क्रिकेट अवतार आया सामने

अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों सूरज बड़जात्या की आने वाली अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। शूटिंग के दौरान अभिनेता ने यूनिट के सदस्यों के साथ काफी मजेदार पल बिताए। इसका एक वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे सर्दी की खिल-खिलाती धूप में क्रिकेट खेलते नजर आ रहे हैं। वीडियो में अनुपम बैटिंग करते नजर आ रहे हैं और यूनिट के लोगों के साथ खूब मजे कर रहे हैं।

अनुपम खेर ने वीडियो शेयर कर लिखा, गली क्रिकेट की झलकियां। मेरे दोस्त और भारत के सर्वोत्तम निर्देशकों में से एक, जो फिल्मों में भारतीयता का झंडा लहराते हैं, सूरज बड़जात्या की आने वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान यूनिट के साथ क्रिकेट खेलने का मजा आ गया और साथ ही जोश भी बहुत था। जिन बॉल्स पर मैं क्लीन बोल्ड हुआ, उनके वीडियो यहां नहीं डाले, ठीक किया ना? इस फिल्म में अनुपम के अलावा, आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

सूरज बड़जात्या की फिल्में परिवार, संस्कृति और भारतीय मूल्यों पर आधारित होती हैं। वहीं, अनुपम खेर का इस प्रोजेक्ट में साथ होना इसे और भी ज्यादा खास बना रहा है। दोनों की यह जोड़ी पहले भी कुछ फिल्मों में काम कर चुकी है।

दोनों ने इससे पहले फिल्म 'हम आपके हैं कौन', 'विवाह', और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी कई सफल फिल्मों में साथ काम किया है और अब आने वाली फिल्म पर काम चल रहा है। इससे पहले दोनों फिल्म 'ऊंचाई' में नजर आए थे। इस फिल्म में अनुपम खेर के अलावा, अमिताभ बच्चन, बोमन ईरानी, परिणीति चोपड़ा, नीना गुप्ता, और सारिका जैसे दिग्गज कलाकार अहम किरदार में थे। फिल्म की कहानी चार दोस्तों की है, जिनमें से एक के निधन के बाद बाकी तीन दोस्त उसकी आखिरी इच्छा पूरी करने माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक जाते हैं।

राघव जुयाल, समारा तिजोरी से लेकर अनीत पड्डा तक 2026 में एंटरटेनमेंट की दुनिया पर राज करने वाले नए चेहरे

अया साल, नए सितारे: 2026 में जिन एक्टर्स पर टिकी हैं सबकी निगाहें 2026 की शुरुआत दर्शकों के लिए जबरदस्त उत्साह लेकर आई है। नई और उभरती प्रतिभाएं बड़े पर्दे पर अपनी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। क्राइम थ्रिलर से लेकर मेनस्ट्रीम बिग-टिकट फिल्मों तक, यह नई पीढ़ी मनोरंजन का पूरा पैकेज देने वाली है। आइए नज़र डालते हैं उन चेहरों पर, जिनसे 2026 में बड़ी उम्मीदें हैं:

राघव जुयाल:बैड्स ऑफ बॉलीवुड के बाद राघव जुयाल अपनी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म किंग के साथ बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार राघव एक फिजिकली डिमांडिंग किरदार निभाते नज़र आएंगे, जो उनके डांसर इमेज से बिल्कुल अलग होगा। भले ही उनके किरदार की डिटेल्स अभी सामने न आई हों, लेकिन शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने को लेकर फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट है।

अभय वर्मा:अभय वर्मा भी किंग का हिस्सा बन चुके हैं और खबर है कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। चर्चाओं के अनुसार, वह फिल्म में सुहाना खान के लव इंटरेस्ट के रूप में दिखाई देंगे। किंग के अलावा अभय के पास लाइकी लाइका भी लाइनअप में है। को-स्टार राशा थडानी के साथ उनका फर्स्ट लुक एक डार्क रोमांस की झलक देता है, जिसमें प्यार, दर्द और भरोसे की परतें दिखाई देती हैं।

समारा तिजोरी:सबसे ािा- ळीळपस एक्ट्रेसेज़ में से एक, समारा तिजोरी जल्द ही आने वाली सीरीज़ दलदल में भूमि पेडनेकर और आदित्य रावल के साथ नज़र आएंगी। हाल ही में रिलीज़ हुए टीज़र में बेरहम मर्डर्स और हाई-ऑक्टेन थ्रिल से भरी दुनिया की झलक मिलती है, जो एक दमदार कहानी का वादा करती है। भले ही समारा के किरदार को लेकर अभी सस्पेंस बना हुआ है, लेकिन उनकी परफॉर्मेंस को लेकर दर्शकों की जिज्ञासा लगातार बढ़ रही है।

अनीत पड्डा:अपनी बिग-स्क्रीन डेब्यू सैयारा से दिल जीतने के बाद अनीत पड्डा अब शक्ति शालिनी की तैयारी में हैं, जो मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित किस्त है। अनीत को को-स्टार के रूप में इंट्रोड्यूस करता टीज़र थम्मा के साथ थिएटर्स में दिखाया गया, जिसने मैडॉक के इस पॉपुलर यूनिवर्स में उनकी एंट्री को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

श्रीलीला:श्रीलीला लगातार अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रही हैं, जहां वह साउथ सिनेमा में अपनी पकड़ बनाए रखते हुए बॉलीवुड में भी बड़ी एंट्री के लिए तैयार हैं। वह कार्तिक आर्यन के साथ तू मेरी ज़िंदगी है में नज़र आएंगी, एक ऐसा प्रोजेक्ट जो पहले से ही खासा चर्चा में है। अपनी स्क्रीन प्रेज़ेंस और इमोशनल डेप्थ के लिए जानी जाने वाली श्रीलीला की बॉलीवुड पारी पर सबकी नज़रें टिकी हैं, और 2026 में वह एक दमदार क्रॉसओवर स्टार के तौर पर उभर सकती हैं।

ये सभी कलाकार बोल्ड और अनकन्वेंशनल चुनाव कर रहे हैं, और संकेत साफ हैं कि 2026 ब्लॉकबस्टर साल साबित होने वाला है। हम भी बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि 2026 क्या-क्या लेकर आता है।

आज धन योग से मकर सहित अन्य राशियों मिलेगी अपार धन-समृद्धि

आज यानी 26 जनवरी, सोमवार को चंद्रमा मेष राशि में आएंगे और मंगल की चौथी दृष्टि चंद्रमा पर रहेगी। चंद्रमा और मंगल के इस शुभ संयोग से धन योग बन रहा है। ज्योतिष में इसे अपार धन-समृद्धि और वित्तीय स्थिरता प्रदान करने वाला योग माना जाता है। कुंडली में बन रहे इस शुभ योग के प्रभाव से व्यक्ति को जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती है। मेष और वृश्चिक सहित कई राशि के जातकों के लिए यह योग मनोकामनाओं की पूर्ति कराने वाला रहेगा। मेष राशि के जातकों की कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। वृश्चिक राशि वालों को लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे। वही, मकर राशि को व्यापार में लाभ होगा। आइए जानते हैं कि रविवार का दिन आदित्य मंगल योग के संयोग में सभी 12 राशियों के करियर के लिए कैसा रहने वाला है।

मेष राशि –मेष राशि के जातकों को राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा है। आज प्रथम प्रमुख केन्द्र तन लक्ष्मी भाव में चन्द्रमा का प्रबल योग बन रहा है। रात्रि 09 बजे तक कोई खास डील फाइनल हो जाएगी। रात 2 बजकर 30 मिनट पर चन्द्रमा वृष राशि में प्रवेश करेंगे। इसके फलस्वरूप मंगलोत्सवों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

वृष राशि –वृष राशि के जातकों का ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम की वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन व मनोरथ सिद्धि होगी। कार्यालय में भी आपके अनुकूल वातावरण बनेगा तथा आपके साथी आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन राशि –आज आपका दिन काफी रचनात्मक रहने वाला है। किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वहीं करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आयेंगी। अपने से सीनियर का सहयोग पाने का प्रयास करें।

कर्क राशि –कर्क राशि के लोगों का दिन काफी सृजनात्मक रहने वाला है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे और महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे। रात्रि में विवाह शादी में जाने का अवसर मिल सकता है।

सिंह राशि –आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन आपको धर्म-अध्यात्म के बीच पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश करेंगे। रात्रि का समय मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा।

कन्या राशि –कन्या राशि के लोगों को अपने व्यवहार में संयम व सावधानी बरतनी होगी। आस पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा।

तुला राशि –तुला राशि के लोगों के लिए दिन आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि वालों की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत दिख रही है। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। ऐसे में कार्यशील रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनंद उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी।

धनु राशि –धनु राशि के लिए दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठायें तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आस-पास है, उसे पहचानना आपके हाथ में है।

मकर राशि –मकर राशि के जातकों के लिए सोमवार की दिन सामान्य है। भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचायेगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखे। कई प्रकार क काम एक साथ हाथ में आने से व्यग्रता बढ़ सकती है।

कुंभ राशि– कुंभ राशि वालों को आपके स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतनी होगी। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं। खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें।

मीन राशि –मीन राशि के लोगों का दिन लाभकारी रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

23 अप्रैल को श्रद्धालु कर पाएंगे ब्रदीनाथ धाम के दर्शन

बसंत पंचमी के मौके पर बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने की तारीख का ऐलान हो चुका है। बसंत पंचमी के मौके पर नरेंद्र नगर स्थित टिहरी राज दरबार में कपाट खुलने की तिथि तय हुई है। कपाट खुलने के साथ ही देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं दर्शन कर पाएंगे। आइए जानते हैं बद्रीनाथ धाम के कपाट कब खुलेंगे।

बता दें कि बद्रीनाथ धाम के कपाट गुरुवार 23 अप्रैल को पूरे विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि कपाट खुलने की तिथि तय होते ही आगामी यात्रा हेतु बीकेटीसी ने तैयारियां शुरू कर दी है तथा यात्रा व्यवस्थाओं हेतु कार्य योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा उन्होंने कहा कि शीतकालीन यात्रा के साथ साथ आगामी चार धाम यात्रा तैयारियों पर फोकस रहेगा। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय होने के अवसर पर श्रद्धालुओं को बधाई दी चारधाम यात्रा का भी आमंत्रण दिया।श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय होने के कार्यक्रम हेतु टिहरी राजमहल की ओर से शुक्रवार को प्रात: साढ़े दस बजे से धार्मिक समारोह शुरू हो गया था। दोपहर बाद महाराजा मनुजयेंद्र शाह की उपस्थिति में पूजा-अर्चना पश्चात राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल ने पंचांग गणना तथा महाराजा की जन्म कुंडली देखने के पश्चात विधि - विधान से श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि का निर्धारण किया और कपाट खुलने की तिथि घोषित होने के साथ ही गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा का दिन भी तय हो गया। समारोह में महाराजा मनुजेंद्र शाह, की जन्म कुंडली देखकर राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल पंचांग गणना पश्चात श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि का निश्चय किया।इससे पहले श्री डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत प्रतिनिधियों ने गाडू घड़ा तेल कलश राजमहल के सुपुर्द किया।

इस अवसर पर महाराजा मनुजयेंद्र शाह सहित सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, रावल अमरनाथ नंबूदरी , उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण तथा बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल तथा मंदिर समिति सदस्य श्रीनिवास पोस्ती सहित कई श्रद्धालुजन मौजूद रहे।

क्या आपके अंदर हैं राहु के ये गुण, राहु प्रधान जातक होते हैं इस प्रकार सफल

राजनीति में प्रवेश करने के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता नहीं अपितु भाग्य की आवश्यकता होती है। सफल एवं लोकप्रिय राजनेता बनने के लिए कुंडली में कुछ विशेष ग्रह-नक्षत्रों का प्रबल होना आवश्यक है। ग्रहों के राजा सूर्य के बाद ज्योतिष शास्त्र में चन्द्रमा का विचार किया जाता है लेकिन राजनीति संदर्भ में सूर्य बल के बाद राहु का विचार किया जाता है क्योंकि राहु ही व्यक्ति को अचानक कोई कार्य कराता है। राहु के कारण व्यक्ति अचानक राजनीति में प्रवेश करता है।

राहु के प्रभाव से व्यक्ति नीतियों का निर्माण करना व उन्हें लागू करने की योग्यता रखता है। राहु के प्रभाव से ही व्यक्ति में स्थिति के अनुसार बात-व्यवहार करने की कला आती है। राहु व्यक्ति को राजनीतिक दांव-पेच तथा पैंतरे सिखाता है, राहु प्रधान व्यक्ति एक कुशल कूटनीतिज्ञ होता है। कलयुग में राहु का विशेष प्रभाव राजनीति संदर्भ में शीघ्र ही दृष्टिगोचर होता है। राजनीति से जुड़े लोगों की कुंडली में राहु मजबूत होने पर उन्हें सफलता शीघ्र अतिशीघ्र प्राप्त होती है।

राहु को सभी ग्रहों में नीति कारक ग्रह का दर्जा दिया गया है। बात करें जन्मकुंडली की तो सफल राजनेताओं की कुंडली में राहु का संबंध तीसरे, छठे व ग्यारहवें भाव में होने पर गोचर में अनुकूल राहु अपनी महादशा में व्यक्ति को बुलंदियों पर पहुंचाता है। राहु का शुभ होना राजनीति में सफलता दिलाने की प्रबल संभावनाएं बनाता है। जैमिनी सूत्र के अनुसार राहु के अमात्य कारक बनने से व्यक्ति रुचि होने पर राजनीति के क्षेत्र में सफलता पाने की संभावना रखता है। सुयोगों के माध्यम से ही राजनीति में व्यक्ति अपना और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित कर सकता है। जिस व्यक्ति की जन्मकुंडली में जितने अधिक सुयोग होंगे, उसकी रुचि राजनीति में उतनी ही अधिक होगी और राजनीतिक क्षेत्र में उसे उतनी ही अपार सफलता एवं मान-सम्मान प्राप्त होगा। अन्य व्यवसायों एवं करियर की भांति ही राजनीति में प्रवेश करने वालों की कुंडली में भी ज्योतिष योग होते हैं।

राजनीति में सफल रहे व्यक्तियों की कुंडली में ग्रहों का विशिष्ट संयोग देखा गया है। राजनेता बनना हर किसी के भाग्य में नहीं होता, राजनेता एवं कार्यकर्ता सभी ग्रह योगों के द्वारा अपने भाग्य को अजमाना चाहते हैं। कुंडली के दसवें घर को राजनीति का घर कहते है, सत्ता में भाग लेने के लिये दसवें घर के स्वामी अर्थात दशमेश या दशम भाव में उच्च का ग्रह बैठा होना चाहिए। लग्न में स्थित राहु व्यक्ति को चाणक्य के समान बुद्धि बल प्रदान करता है जो अन्य प्रत्याशियों से प्रतिस्पर्धा करने की ऊर्जा देता है। राहु अंतिम समय परिणाम पलट देता है, इसलिए राजनेताओं को अक्सर राहु रत्न गोमेद धारण किए देखा जा सकता है। राहु रत्न गोमेद की खासियत यह भी है कि यह शत्रुओं से सुरक्षा प्रदान करता है। कलियुग में राहु विस्तार का कारक है और विस्तार की कोई सीमा नहीं होती। राजसत्ता के माध्यम से व्यक्ति न केवल स्वयं का बल्कि देश का असीमित विकास एवं विस्तार कर सकता है। राजपक्ष, राजसत्ता या राजनीति से जुड़े व्यक्तियों की कुंडली में पंचमहापुरूष जैसे अनेक राजयोग देखे जाते हैं। पूर्ण अध्ययन पश्चात अगर अधिकांश योग चुनाव प्रत्याशी के जन्मांग में उपस्थित हों और केमद्रुम, कालसर्प, ज्वालामुखी, राजभंग या अशुभ योगों की संख्या कम हो तो चुनाव में खड़ा प्रत्याशी अपने आप को सफल राजनेता अर्थात् 'राजनीतिज्ञ' समझ सकता है।

शुक्र गोचर कुंभ राशि में, बनेगा लक्ष्मी नारायण योग, मेष सहित अन्य राशियों का शुरू होगा भाग्यशाली समय

शुक्र गोचर कुंभ राशि में फरवरी महीने में होने जा रहा है। 6 फरवरी को शुक्र ग्रह शनि की राशि कुंभ में प्रवेश करेंगे। जहां बुध पहले से ही मौजूद रहेंगे। बुध का 3 फरवरी को कुंभ राशि में गोचर होगा। ज्योतिष गणना के अनुसार, इस दौरान कुंभ राशि में बुध और शुक्र की युति से लक्ष्मी नारायण योग का शुभ संयोग भी बनेगा। इस योग के शुभ प्रभाव से धन, वैभव और भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। शुक्र के प्रभाव से वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा और संबंधों में मधुरता आती है। शुक्र गोचर के दौरान मेष और सिंह सहित 5 राशियों के जातक भाग्यशाली रहने वाले हैं। इस दौरान करियर में बड़ी सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

शुक्र गोचर का मेष राशि पर प्रभाव

आपके ग्यारहवें भाव में शुक्र का गोचर हो रहा है। ऐसे में धन लाभ होगा और कमाई के कई अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान करियर में आपको उन्नति मिलेगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को इस गोचर के दौरान अधिक लाभ कमाएंगे और अपने विरोधियों से आगे निकल जाएंगे। धन कमाने के साथ-साथ यह अवधि आपके लिए बचत करने की भी रहेगी। वहीं, परिवार में कुछ छोटी-छोटी समस्याएं भी खड़ी हो सकती हैं, लेकिन उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। प्रेम जीवन में अच्छा तालमेल बना रहेगा और आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

शुक्र गोचर का कर्क राशि पर प्रभाव

कर्क राशि के आठवें भाव में शुक्र का गोचर होने जा रहा है। इस समय आध्यात्मिक चीजों की तरफ आपका रुझान बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में शामिल होने के आपको कई अवसर भी मिलेंगे। करियर में भी आपको सफलता मिलेगी। व्यवसाय करने वाले लोगों को अधिक मुनाफा कमाएंगे। शेयर बाजार से जुड़े लोगों के लिए यह गोचर शुभ रहने वाला है। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस दौरान अच्छी रहेगी। पारिवारिक जीवन भी बेहतर रहेगा। पार्टनर के साथ संबंध गहरे होंगे। हालांकि, स्वास्थ्य पर आपको थोड़ा ध्यान देना होगा।

शुक्र गोचर का सिंह राशि पर प्रभाव

आपके सातवें भाव में शुक्र का प्रभाव देखने को मिलेगा। गोचर की इस पूरी अवधि के दौरान परिवार के साथ आप सुख चैन से रहेंगे। इस दौरान सुख-सुविधाओं में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। करियर में आगे बढ़ने के कई अवसर भी मिलेंगे। नौकरी में तरक्की के योग बनते दिख रहे हैं। व्यवसाय से जुड़े जातकों के मुनाफे में वृद्धि होगी। धन कमाने के साथ-साथ उसे अच्छी मात्रा में बचाने में भी आप सफल रहेंगे। पारिवारिक जीवन में छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज करें।

शुक्र गोचर का मकर राशि पर प्रभाव

मकर राशि के दूसरे भाव में शुक्र का गोचर होने जा रहा है। इसके प्रभाव से आपके कार्यों और बातों में अधिक वजन दिखेगा। इस अवधि में आप अधिक रोमांटिक रहेंगे। करियर में कड़ी मेहनत और लगन का आपको लाभ मिलेगा। उच्च अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न नजर आएगा और इसके फलस्वरूप प्रमोशन मिलने के भी चांस हैं। बिजनेस करने वाले जातक अपने व्यवसाय में सबसे आगे रहेंगे। इस अवधि में आप अपनी इच्छाओं को पूरा करने में समर्थ रहेंगे। पार्टनर के साथ कहीं बाहर घूमने का अवसर भी मिल सकता है। इस गोचर के दौरान आपकी सेहत ठीक रहेगी।

शुक्र गोचर का कुंभ राशि पर प्रभाव

शुक्र गोचर आपके पहले भाव में होने जा रहा है। ऐसे में आप अपनी उन्नति को लेकर अधिक फोकस नजर आएंगे। इस गोचर के दौरान आपको नौकरी के नए अवसर भी मिल सकते हैं। घर परिवार के ऊपर थोड़ा धन भी खर्च हो सकता है। करियर में नए अवसर मिलने से आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर पाएंगे। व्यापार में अधिक मुनाफा मिलेगा। इस अवधि में आप जितना पैसा कमाएंगे उसे परिवार के ऊपर खर्च कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन में पार्टनर से बातें शेयर करने से रिश्ते मजबूत होंगे। स्वास्थ्य भी आपका अच्छा रहेगा।

मकान की नींव डालने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार नींव डालते समय भूमि पूजन अवश्य करना चाहिए, ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व से शुरुआत करनी चाहिए, घर के मालिक के अनुसार शुभ मुहूर्त का चयन करना चाहिए। मुहूर्त चयन करते समय चन्द्रमा, मकान बनवाने वाले की जन्म राशि से चतुर्थ, अष्टम, द्वादश नहीं होना चाहिए। इस प्रकार अन्य ग्रह गोचर का विचार भी मुहूर्त निकालते समय परमावश्यक है। नकारात्मक ऊर्जा से बचाव के लिए चांदी के नाग-नागिन व कलश जैसी वस्तुएं रखना महत्वपूर्ण है, ताकि घर में सुख-समृद्धि और स्थायित्व लंबे समय तक रह सके।

शुभ मुहूर्त में ही नींव की खुदाई शुरू करें तथा विधिवत भूमि पूजन करें।

वास्तु और ज्योतिष विशेषज्ञ से परामर्श कर नींव डालने का शुभ मुहूर्त निकलवाएं, और भूमि शयन यानी भूमि के आराम करने के समय पर भी ध्यान रखें।

एक तांबे के कलश में गंगाजल, सिक्के, हल्दी, कौड़ी और अन्य शुभ सामग्री रखकर पूजा करें और नींव में स्थापित करें।

नींव की खुदाई हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व से शुरू करें, उसके बाद आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व, वायव्य कोण यानी उत्तर-पश्चिम और फिर नैऋत्य कोण यानी दक्षिण-पश्चिम की खुदाई करें।

दक्षिण-पश्चिम में नींव गहरी और उत्तर-पूर्व में कम गहरी होनी चाहिए।

कोणों की खुदाई के बाद पूर्व, उत्तर, पश्चिम और दक्षिण दिशा में क्रम से खुदाई करें।

अन्य मांगलिक वस्तुओं के साथ पाताल लोक के स्वामी शेषनाग की कृपा और घर की रक्षा के लिए चांदी के नाग-नागिन के जोड़े को नींव में स्थापित करें। नींव आदि का शुभ मुहूर्त मकान बनवाने वाले गृह स्वामी की ग्रह स्थिति के अनुसार अलग से निकलवाना चाहिए। सामान्य रूप से वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, जून, नवंबर और दिसंबर घर निर्माण की शुरुआत के लिए सबसे उत्तम महीने हैं, लेकिन ग्रह स्वामी को अपनी जन्म कुंडली में चलने वाली महादशा, अंतर्दशा तथा अपनी राशि और लग्न को ध्यान में रखकर मुहूर्त निकलवाना चाहिए।

नक्शा पास करवाते समय आर्किटेक्ट के साथ वास्तुशास्त्री से अवश्य यह सुनिश्चित करें कि मंदिर यानी पूजाघर ईशान कोण में हो, ईशान कोण में शौचालय सबसे गंभीर वास्तु दोष की श्रेणी में आता है, इसलिए ईशान कोण की शुद्धता पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। इस प्रकार कौन-सा कमरा कहां होना चाहिए, अन्य बातों पर गहन विश्लेषण के पश्चात ही मकान बनवाना प्रारम्भ करना चाहिए।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

प्रदूषण बनाम टैरिफ

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। जिससे निवेशक बेहतर विकल्प की तलाश में अन्य देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है। निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब-जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं। सवाल गोपीनाथ के बयान के समय का भी है जब अमेरिका न केवल भारत पर अन्यायपूर्ण टैरिफ लगा रहा है बल्कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भी अपनी शर्तों के अनुरूप अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है। बहरहाल, इसके बावजूद यह एक हकीकत है कि हमारे देश में प्रदूषण संकट बड़ा है, जिसे देश के नीति-नियंता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिसके चलते करोड़ों भारतीयों को अपनी जमा-पूंजी अपने व परिवार के उपचार में खर्च करनी पड़ती है। निस्संदेह, प्रदूषण के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कानूनों को सरल बनाने की भी जरूरत है ताकि उन पर अमल आसानी से हो सके। इसके अलावा लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि देश की आबोहवा सुधारने के लिये उन्हें भी कुछ त्याग करने होंगे। उन्हें अपनी विलसिता की जीवन शैली में बदलाव लाकर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुधारना होगा। निश्चित रूप से प्रदूषण को आर्थिक चुनौती के रूप में भी देखने की जरूरत है। खासकर जब भारत खुद को वैश्विक आर्थिक और विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये प्रयासरत है। हमारा मकसद हो कि हमारे शहर स्वच्छ रहें और नागरिकों के लिये जीवन परिस्थितियां स्वास्थ्य के अनुकूल हों।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है।

महाभारत के सभा पर्व में अर्जुन द्वारा अनेक गणराज्यों को जीतकर उन्हें कर देने वाले राज्य बनाने की बात आई

विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक गणतंत्र है भारत

डा. विनोद बब्बर

गणतंत्र दिवस 'गण' और 'तंत्र' के सबंधों की पड़ताल करने का अवसर है। इस बात पर गर्व करने का अवसर भी कि विश्व को गणतंत्र की अवधारणा हमने दी। हजारों वर्ष पहले भी भारतवर्ष में अनेक गणराज्य थे, जहाँ शासन व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ थी और जनता सुखी थी। गण शब्द का अर्थ संख्या या समूह से है। गणराज्य या गणतंत्र का शाब्दिक अर्थ संख्या अर्थात बहुसंख्यक का शासन है। इस शब्द का प्रयोग ऋग्वेद में चालीस बार, अथर्व वेद में नौ बार और ब्राह्मण ग्रंथों में अनेक बार किया गया है। वहाँ यह प्रयोग जनतंत्र तथा गणराज्य के आधुनिक अर्थों में ही किया गया है। वैदिक साहित्य में, विभिन्न स्थानों पर किए गए उल्लेखों से यह जानकारी मिलती है कि उस काल में अधिकांश स्थानों पर हमारे यहाँ गणतंत्रीय व्यवस्था ही थी। कालांतर में, उनमें कुछ दोष उत्पन्न हुए और राजनीतिक व्यवस्था का झुकाव राजतंत्र की तरफ होने लगा। ऋग्वेद के एक सूक्त में प्रार्थना की गई है कि समिति की मंत्रणा एकमुख हो, सदस्यों के मत परंपरानुकूल हों और निर्णय भी सर्वसम्मत हों। कुछ स्थानों पर मूलतः राजतंत्र था, जो बाद में गणतंत्र में परिवर्तित हुआ। महाभारत के सभा पर्व में अर्जुन द्वारा अनेक गणराज्यों को जीतकर उन्हें कर देने वाले राज्य बनाने की बात आई है। महाभारत में गणराज्यों की व्यवस्था की भी विशद विवेचना है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी लिच्छवी, बृजक, मल्लक, मदक और कम्बोज आदि जैसे गणराज्यों का उल्लेख मिलता है। उनसे भी पहले पाणिनी ने कुछ गणराज्यों का वर्णन अपने व्याकरण में किया है। आगे चलकर यूनानी राजदूत मेगास्थनीज ने भी क्षुदक, मालव और शिवि आदि गणराज्यों का वर्णन किया। लंबी गुलामी के बाद आजादी के नाम थोपे गए देश विभाजन, विश्व के सबसे बड़े रक्तपात की पीड़ा और उत्पाती पड़ोसी प्राप्त होने के बाद 26 जनवरी 1950 को लोकतांत्रिक गणतंत्र बने भारत ने पिछले 76 वर्षों में अनेक झंझावतों को झेला है। सांस्कृतिक वैचारिक हमलों से खाद्यान्न के अभाव का दौर भी देखा। आयातित घटिया लाल गेहूं के दिनों को पीछे छोड़ते हुए हमने न केवल आत्मनिर्भरता हासिल की बल्कि निर्यात भी किया और खुले में पड़ी अनाज की हजारों बोरियों को बर्बाद होते भी चुपचाप देखा। आज स्थिति यह है कि हमारे पास अनाज रखने की पर्याप्त जगह नहीं है। शायद इसीलिए देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। हमारे वैज्ञानिकों ने चांद पर भारतीय कदमों के निशान अंकित करने सहित अनेक चमत्कार कर दिखाये तो आज हमारी सूचना प्रौद्योगिकी का लोहा सारी दुनिया मानती है। बैलगाड़ी युग से रेलगाड़ी के बाद तीव्रगामी वाहनों और विश्वस्तरीय सड़के भारत की पहचान बन चुकी हैं। भारत की युवा शक्ति तकनीक प्रौद्योगिकी से कला शाहिद हर क्षेत्र में विश्व को अपनी श्रेष्ठ प्रतिभा से अचंभित कर रही है। यह कोई आश्चर्य नहीं कि आज पश्चिमी जगत अपनी युवा पीढ़ी को भारत की प्रतिभा का डर दिखाकर मेहनती बनाने की प्रेरणा दे रहा है तो यह

केवल और केवल इस देश के 'गण' की शक्ति प्रतिभा और समर्पण का अभिषेक है। जय जवान, जय किसान से जय विज्ञान इस देश के तंत्र की नहीं बल्कि 'गण' की शोभायात्रा है, जिसे सम्पर्ण विश्व दृग-नेत्रों से देख रहा है। अभिनन्दन है माँ भारती के उन सुयोग्य पुत्रों की जिन्होंने अपनी जननी और जन्मभूमि का गौरव बढ़ाया। ... लेकिन दूषित राजनीति, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार जैसे कारणों से तंत्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। कार्यपालिका से न्यायपालिका तक कर्तव्य परायणता पर भाई-भतीजावाद, अकर्मण्यता, टालु प्रवृत्तियां आज भी जन मानस कोभयभीत कर रही हैं। देश में कानूनों की कमी नहीं हैं, नित नये भी बनते हैं परन्तु बाल्यकाल से शिक्षा में नैतिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति समर्पण के भाव आरोपित न किए जाने के कारण देश प्रथम की भावना का अभाव है। 'नापाक' पड़ोसी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा हैं। अवैध हथियारों संग आतंकवादी, नक्सलवादी. और न जाने कौन-कौन देश के हर कोने तक अपनी पैंठ बनाये हुए थे तो केवल इसीलिए कि 'तंत्र' की आँखें पूरी तरह से खुली हुई नहीं थी। यह पूछना बेमानी है कि आँखें जानबूझकर नहीं खोली जा रही थी या स्वार्थ की पट्टी ने उन्हें ढका था। हाँ, एक 'तंत्र' पूरी निष्ठा से कार्यरत था जो देश को 'भारत' और 'इण्डिया' में विभाजित करना चाहता है। देश में दोहरी शिक्षा प्रणाली अब भीहै तो दोहरी स्वास्थ्य व्यवस्था भी। सुरक्षा के अलग-अलग मापदंड हैं तो बिजली, पानी, सड़क जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता भी एक जैसी नहीं है। पिछडे क्षेत्रों का अंधेरा और अमीरों की बस्ती की जगमगाहट कहीं भी देखी जा सकती है। दुर्भाग्य से ये दोहरे मापदंड सीमित नहीं रहे। सांपनाथ, नागनाथ से भुजंगनाथ तक 'तंत्र' ने छद्म जनप्रतिनिधियों की आढ़ में 'गण' का शोषण किया है। दुर्भाग्य की बात है कि राजनैतिक शुचिता की बातें तो सभी ने की लेकिन निष्पक्षता के अभाव की कालिख ने उनके दामन को भी दागदार हैं। कहने को जनता-जनार्दन है लेकिन राजा कौन है, सभी जानते हैं। 'राजा' से अभिप्राय प्रशासन की मुट्ठी में करने वाले, खास परिवार में जन्म लेकर सिंहासन पर अपना अधिकार संमझने वाले युवराज ही नहीं, माफिया और अफससरशाहों की फौज रही हैं जो यत्र-तत्र- सर्वत्र छाए हुए थे। जनता 'जनार्दन' नहीं, 'बेचारी' दिन-काटती रही क्योंकि उसके लिए बने अस्पतालों में इलाज के नाम पर लम्बी लाइनें है पर गंभीर रोगी के लिए पर्याप्त बिस्तर भी नहीं है इसलिए निजी अस्पताल मनमानी लूट मचाए हुए हैं। रेल के सामान्य डिब्बे में पैर रखने की जगह नहीं, परंतु संख्या नित्य प्रति बढ़ रही है महंगी गाड़ियां की। विकास का केंद्रीकरण होने के कारण पलायन अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न कर रहा है। दूर दराज क्षेत्रों की बात छोड़िए स्वयं राजधानी दिल्ली भी पिछले कुछ दशकों से यातायात की सार्वजनिक सुविधाओं पर पर्याप्त ध्यान न दिए जाने के कारण सड़कें जाम रहती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तंत्र की गण की भाषा से दूरी न केवल बनी हुई है बल्कि लगातार बढ़ रही है। वर्तमान सरकार ने नई शिक्षा नीति के माध्यम से अनेक विसंगतियां को विशेष रूप से भारतीय भाषाओं पर हावी होती अंग्रेजी पर नकेल कसने के प्रावधान किए हैं। विशेष रूप से प्राथमिक कक्षाओं तक मातृभाषा में शिक्षा दिया जाने का नियम सराहनीय है लेकिन नई नीति लागू होने के बावजूद पूरे देश के निजी स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी बना हुआ है परंतु एक भी स्कूल पर नियम के उल्लंघन का मामला दर्ज करने की सूचना नहीं है। स्कूलों की दशा देश के पिछड़े और दूर-दराज के क्षेत्रों में कैसी होगी, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि राजधानी के सरकारी स्कूलों की अधिकांश कक्षाओं में भी औसत से दुगने, तिगुने छात्र देखे जा सकते हैं। स्कूलों में कमरे हैं, बेंच है, 'मिड डे मील' हैं लेकिन कभी जनगणना तो कभी लोकतंत्र के उत्सव चुनाव को संपन्न कराने में जैसे अनेकानेक कार्य करने वाले शिक्षकों की अन्यत्र व्यस्तता के कारण पढ़ाई का स्तर कैसा होना चाहिए इस पर चर्चा करें भी तो क्या? सरकारी स्कूलों के दस पास अधिकांश छात्र अंग्रेजी तो दूर, ठीक से हिंदी भी पढ़ अथवा लिख पाने में असमर्थ हैं। भ्रष्टाचार और कालेधन पर बढ़-चढ़कर बातें करने वाले कारण और निदान जानते हुए भी मौन है परंतु जनसाधारण जानता है कि यह 'तंत्र' की निष्क्रियता अथवा मिली भगत के बिना संभव नहीं। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में 'गण' 'तंत्र' से आँखे मिलाते हुए डरता है इसीलिए उसे अकारण अपराधबोध की बोझ तले दबाना पड़ता है। दूसरी ओर स्वयं को देश का स्वाभाविक शासक मानने वाले जब अपने राजनीतिक विरोधियों से जीत नहीं पाते तो वे संविधान की प्रति हाथ में लिए अपनी लड़ाई को सत्तारूढ़ दल से नहीं बल्कि इंडियन स्टेट अर्थात भारत राष्ट्र के विरुद्ध घोषित कर लोकतंत्र के महत्वपूर्ण पक्ष विपक्ष के दायित्वहीनता का परिचय देते हैं। आश्चर्य है कि न्यायपालिका से व्यवस्थापिका तक तंत्र जन सामान्य पर कानून का चाबुक फटकारता है। उन्हीं पर नियम कानूनों की गन हर समय ताने रहता है। जिस गणतंत्र दिवस अर्थात अपने संविधान लागू होने को हम मानते है , उसकी लाज 'तंत्र' ने कितनी रखी है इसका मूल्यांकन अवश्य होना चाहिए। संविधान में राष्ट्र भाषा घोषित हिन्दी की दशा पर आँसू बहाने वाले घट रहे है।

हजारों वर्ष पहले भी भारतवर्ष में अनेक गणराज्य थे, जहाँ शासन व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ थी और जनता सुखी थी। गण शब्द का अर्थ संख्या या समूह से है। गणराज्य या गणतंत्र का शाब्दिक अर्थ संख्या अर्थात बहुसंख्यक का शासन है। इस शब्द का प्रयोग ऋग्वेद में चालीस बार, अथर्व वेद में नौ बार और ब्राह्मण ग्रंथों में अनेक बार किया गया है। वहाँ यह प्रयोग जनतंत्र तथा गणराज्य के आधुनिक अर्थों में ही किया गया है। वैदिक साहित्य में, विभिन्न स्थानों पर किए गए उल्लेखों से यह जानकारी मिलती है कि उस काल में अधिकांश स्थानों पर हमारे यहाँ गणतंत्रीय व्यवस्था ही थी। कालांतर में, उनमें कुछ दोष उत्पन्न हुए और राजनीतिक व्यवस्था का झुकाव राजतंत्र की तरफ होने लगा। ऋग्वेद के एक सूक्त में प्रार्थना की गई है कि समिति की मंत्रणा एकमुख हो, सदस्यों के मत परंपरानुकूल हों और निर्णय भी सर्वसम्मत हों। कुछ स्थानों पर मूलत: राजतंत्र था, जो बाद में गणतंत्र में परिवर्तित हुआ।

देश दुनिया से

गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर वैश्विक कशमकश के मायने

गाजा बोर्ड ऑफ पीस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक महत्वाकांक्षी पहल है जो गाजा संघर्ष को सुलझाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर शांति स्थापना का एक नया मॉडल प्रस्तुत करती है। चूंकि यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र संघ के पारंपरिक ढांचे से बाहर काम करने का अदद प्रयास है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई बहस छिड़ गई है। खासकर वैश्विक कशमकश बढ़ चुकी है, जिसके वैश्विक प्रभाव आने वाले वक्त में महसूस किए जाएंगे। सवाल है कि आखिर अपनी ही बनाई पुरानी विश्व व्यवस्था की अनदेखी करते हुए अमेरिका बिल्कुल नई तरह की विश्व व्यवस्था क्यों बनाना चाहता है? ब्रेक के बाद वह अपनी ही नीतियों को क्यों बदल देता है। आखिर वह शेष दुनिया को अमेरिकी मुगालते में क्यों रखना चाहता है? आखिर चीन, रूस, भारत, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन जैसे कद्दावर देश ऐसे पीस बोर्ड से दूरी क्यों बनाए हुए हैं? खास बात यह कि आखिर गाजा बोर्ड ऑफ पीस के अंतर्राष्ट्रीय मायने क्या हैं? और इसके पीछे के वैश्विक निहितार्थ से किसको क्या फायदा और क्षति होने के कयास लगाये जा रहे हैं? आइए सबसे पहले इस बोर्ड के स्वरूप को जान लेते हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 2025 में इसकी शुरुआत की जहां खुद ही वे ही यानी पदेन अमेरिकी राष्ट्रपति इसके प्रमुख होंगे और अन्य सदस्य देश तीन-तीन साल के लिए चुने जाएंगे। वहीं, इसकी स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर का योगदान जरूरी है जबकि कार्यकारी बोर्ड में मार्को रुबियो, जेरेड कुशनर जैसे नाम शामिल हैं। यह बोर्ड गाजा के पुनर्निर्माण, प्रशासन और क्षेत्रीय समन्वय पर केंद्रित है। अलबत्ता, इसके गठन को लेकर जो वैश्विक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसमें अमेरिका के पिछलग्गू देश यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्की, यूएई जैसे 35 से अधिक देशों ने इसमें अपनी भागीदारी की पुष्टि की है जबकि चीन, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया है। खास बात यह है कि भारत जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी ने फिलिस्तीन समर्थन और यूएन-आधारित दो-राज्य समाधान की नीति के चलते अभी इस पर चुप्पी साध रखी है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के भविष्य के निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड यूएनएससी के समानांतर वैकल्पिक तंत्र बन सकता है जो वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। क्योंकि इसे यूएनओ ने 2027 तक सीमित मान्यता दी है, लेकिन रूस-चीन की असहमति से विवाद बढ़ा है। जबकि भारत जैसे उभरते गुटनिरपेक्ष देशों के लिए यह कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा की घड़ी है। यही वजह है कि गाजा बोर्ड ऑफ पीस की अंतरराष्ट्रीय वैधता सीमित और विवादास्पद बनी हुई है क्योंकि यह यूएनएससी प्रस्ताव 2803 (2025) से 2027 तक की अस्थायी मंजूरी पर टिकी है। देखा गया कि रूस-चीन जैसे देशों की असहमति से इसकी वैश्विक स्वीकार्यता कमजोर है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून पर सवाल उठाती है। जहां तक इसकी वैधता के आधार की बात है तो यूएनएससी ने इसे गाजा पुनर्निर्माण और विसैन्यीकरण के लिए अंतरिम वैधता प्रदान की, लेकिन यूएनओ के पूर्ण नियंत्रण के बिना। मसलन, बोर्ड को "अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व" दिया गया, जो फिलिस्तीनी तकनीशियनों की समिति और बहुराष्ट्रीय शांति बल के माध्यम से कार्य करता है। हालांकि, सदस्य चयन और जवाबदेही की कमी से इसकी आलोचना भी हो रही है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के संभावित प्रभाव की बात है तो यह यूएनओ के समानांतर तंत्र के रूप में यूएनओ की एकाधिकार को चुनौती दे सकता है, खासकर वैश्विक संघर्षों में। वहीं, ट्रंप की आजीवन अध्यक्षता जैसी संरचना से लंबे समय में वैधता संकट गहरा सकता है जबकि भारत जैसे देशों की चुप्पी से बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर बहस तेज हो रही है। कहना न होगा कि रूस और चीन का गाजा बोर्ड ऑफ पीस में असहयोग अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को कमजोर करता है, लेकिन बोर्ड की वैधता को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। दरअसल यह असहमति बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर सवाल उठाती है और वैकल्पिक गठबंधनों को बढ़ावा दे सकती है। जहां तक इस बोर्ड के कानूनी आधार की बात है तो रूस-चीन ने बोर्ड को यूएन चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के तहत "शक्ति राजनीति" का माध्यम बताकर खारिज किया, जो क्षेत्रीय संप्रभुता के हस्तक्षेप को प्रतिबंधित करता है। यूएनएससी प्रस्ताव 2803 की अस्थायी मंजूरी के बावजूद, इनकी वीटो शक्ति से स्थायी वैधता अवरुद्ध हो सकती है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड को "सॉफ्ट पावर" तंत्र तक सीमित रखेगा जहां अमेरिकी प्रभाव वाले देश ही मान्यता देंगे। जबकि लंबे समय में, यह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में चुनौतियां जन्म दे सकता है, जैसे फिलिस्तीन या प्रभावित देशों द्वारा ICJ में अपील पहल संभव है। वहीं, भारत जैसे तटस्थ देशों को भी अतिरिक्त कूटनीतिक दबाव झेलना पड़ेगा। देखा जाए तो भारत गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर रणनीतिक चुप्पी अपनाए हुए है, जो बहुपक्षीय संस्थाओं को प्राथमिकता और संतुलित कूटनीति को दर्शाता है। भारत का यह रुख फिलिस्तीन समर्थन, इसराइल के साथ मजबूत संबंधों और यूएन सुधारों पर जोर को अधिक संतुलित करता है। दरअसल भारत की चुप्पी के कारण हैं, क्योंकि वह डांवांडोल अमेरिकी कूटनीति पर ज्यादा एतबार नहीं कर सकता है। भारत के साथ अमेरिकी नीतिगत चालबाजी के चलते ही इंडिया ने दावोस 2026 में गाजा बोर्ड ऑफ पीस के लॉन्च में भाग नहीं लिया क्योंकि यह यूएन प्रस्तावों पर आधारित दो-राज्य समाधान से भटकता दिखता है। चूंकि पीएम मोदी ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत जैसे जी-फोर (G4) देशों के साथ यूएनएससी विस्तार पर फोकस कर रहे हैं, न कि अमेरिकी वैकल्पिक तंत्र पर। इसलिए भी भारत ने इससे दूरी दिखाई है। इसके अलावा, इस बोर्ड में अमेरिकी पिल्ले पाकिस्तान की भागीदारी से भी भारत को क्षेत्रीय संतुलन की चिंता है। इसलिए भारत भविष्य की रणनीति पर बल दे रहा है। अपनी इसी कूटनीति के तहत भारत यूएन सुधारों को आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करेगा, और गाजा बोर्ड ऑफ पीस को अप्रत्यक्ष रूप से निगरानी में रखेगा। वहीं, यदि यह बोर्ड वैश्विक संघर्षों में विस्तार चाहेगा, तो भारत तटस्थता बनाए रखकर ICJ या यूएन मंचों पर सक्रिय हो सकता है। इसप्रकार भारत की यह "रणनीतिक स्वायत्तता" वाली नीति उसकी लंबी परंपरा को मजबूत करती है। कुलमिलाकर भारत की गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर चुप्पी रणनीतिक स्वायत्तता और बहुपक्षीय कूटनीति को मजबूत करने की नीति का हिस्सा है। भारत का यह रुख फिलिस्तीन समर्थन, इसराइल के साथ सैन्य सहयोग और अमेरिकी दबाव से संतुलन बनाए रखने के लिए अपनाया गया है। जहाँ तक ऐतिहासिक फिलिस्तीन नीति की बात है तो भारत ने 1947 से फिलिस्तीन के आत्मनिर्णय और दो-राज्य समाधान का समर्थन किया है, जो यूएन प्रस्तावों पर आधारित है।

आप का नज़रिया

संघीय ढांचे पर आंच

भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में सत्ता किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, राज्यों में विरोधी दलों की सरकारों व राज्यपालों में टकराव की खबरें दशकों से अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैधानिक पद गाहे-बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं। दरअसल, विधानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया गया। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरुआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है। यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरुआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है यहां यह तल्ख टकराव हाल में तमिलनाडु और केरल विधानसभा में हुए अप्रिय घटनाओं के बाद सामने आया है। विडंबना है कि ऐसी ही असहमतियां, हाल के वर्षों में आम हो चली हैं। जिसे भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता है। दरअसल, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों वाली सरकारों के मुखिया आरोप लगाते रहे हैं कि अधिकतर राज्यों में राज्यपाल का उपयोग केंद्र सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने वाले साधन के रूप में ही किया जा रहा है। निस्संदेह, राज्यों में राज्यपालों से उम्मीद की जाती है कि वे केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक निष्पक्ष पुल का दायित्व निभाएं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी राज्यपाल को मसविदा संबोधन पर आपत्ति उठाने का अधिकार तो होता है, लेकिन इसके प्रत्युत्तर में संवैधानिक नैतिकता भी अपरिहार्य है। निश्चित रूप से ऐसी किसी भी असहमति को संवाद के माध्यम से हल करने की जरूरत होती है। राज्यपाल और राज्य सरकारों को सदन के भीतर आमने-सामने की भिड़ंत से हर हाल में बचने का प्रयास करना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी भी राज्यपाल और राज्य सरकार का अंतिम लक्ष्य जनता के हितों की रक्षा करना ही होता है। लेकिन किसी भी स्थिति में जब राज्यपाल और राज्य सरकारें विपरीत उद्देश्यों के लिये काम करने लगते हैं, तो शासन की गुणवत्ता का प्रभावित होना स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से यह केवल अहम का टकराव मात्र नहीं है। यह सरोकारों के संघवाद की भी एक परीक्षा है। उल्लेखनीय है कि आजकल केंद्र सरकार राजभवनों का नाम बदलकर लोकभवन बनाने की मुहिम चला रही है। केंद्र सरकार का कहना है कि राजभवन का संबोधन औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। निस्संदेह लोकतंत्र में राजभवन राजतंत्र का पर्याय होने का आभास देता है। लोकतंत्र में लोकभवन सही मायनों में लोक का ही प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन यह लोकभवन शब्द तब ही सार्थक हो सकता है जब जनता के हितों को राजनीतिक टकराव से ऊपर रखा जाएगा। निश्चित रूप से सत्ता के दोनों ही केंद्रों को जनादेश का सम्मान ईमानदारी से करना ही चाहिए। यह भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये अपरिहार्य शर्त भी है जिसका पालन राज्यपाल व राज्य सरकारों को पूरा करना ही चाहिए।

जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैधानिक पद गाहे-बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं। दरअसल, विधानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया गया। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरुआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है। यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरुआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया।

कुछ अलग

संत की शिष्यों को सीख

एक प्रचलित लोक कथा है। पुराने समय में एक संत अपने आश्रम में दो शिष्यों के साथ रहते थे। संत अत्यंत विद्वान और अनुभवी थे। लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास आते और संत उनका समाधान बता देते थे। पूरे क्षेत्र में वे बहुत प्रसिद्ध हो गए थे। संत के दोनों शिष्यों की शिक्षा पूरी हो गई थी। एक दिन संत ने दोनों शिष्यों को बुलाया और एक-एक डिब्बा दिया, जिसमें गेहूं भरा हुआ था। संत ने कहा कि अब मैं एक साल के लिए धार्मिक यात्रा पर जा रहा हूं। जब मैं वापस आऊं, तब तुम दोनों ये गेहूं मुझे लौटा देना। ध्यान रखना, गेहूं खराब नहीं होना चाहिए। दोनों शिष्यों ने गुरु की आज्ञा को सिर झुकाकर स्वीकार कर लिया और संत यात्रा पर निकल गए। संत के जाने के बाद दोनों शिष्यों ने गेहूं को संभालने के अलग-अलग तरीके अपनाए। पहले शिष्य ने गेहूं से भरे डिब्बे को अपने घर के मंदिर में रख दिया। उसने डिब्बे को पवित्र मानकर रोज उसकी पूजा शुरू कर दी। उसका विश्वास था कि पूजा-पाठ से गेहूं सुरक्षित रहेंगे और वह गुरु की अमानत को पूरी श्रद्धा से लौटा पाएगा। दूसरे शिष्य ने अलग रास्ता चुना। उसने डिब्बे से गेहूं निकाले और उन्हें अपने खेत में बो दिया। वह रोज मेहनत करता, खेत की देखभाल करता और धैर्यपूर्वक फसल के तैयार होने का इंतजार करता रहा। कुछ ही महीनों में गेहूं की अच्छी फसल तैयार हो गई और उसके पास पहले से कहीं अधिक गेहूं हो गए। एक वर्ष पूरा होने पर संत वापस लौटे और दोनों शिष्यों से गेहूं मांगे। पहले शिष्य ने गर्व से डिब्बा आगे बढ़ाया और कहा कि उसने गुरु की अमानत की पूरी रक्षा की है, लेकिन जब संत ने डिब्बा खोला तो देखा कि गेहूं सड़ चुके थे और उनमें कीड़े लग गए थे। शिष्य शर्मिंदा हो गया।

दृष्टि कोण

सख्त कानून और तकनीकी उपायों से हो समाधान

मानव जीवन की रक्षा में औषधियों की भूमिका किसी संजीवनी से कम नहीं है, परंतु जब मुनाफे की अंधी दौड़ में ये औषधियां ही जहर बन जाएं, तो समाज की नींव हिलने लगती है। जब बाजार में जीवन रक्षक दवाओं के नाम पर 'चॉक पाउडर' या 'दूषित रसायनों' का मिश्रण पहुंचता है, तो इसे केवल व्यापारिक धोखाधड़ी या बौद्धिक संपदा की चोरी मान लेना एक बड़ी भूल होगी। वास्तव में, नकली दवाओं का निर्माण और वितरण सीधे तौर पर 'हत्या का प्रयास' है, जो किसी व्यक्ति को उपचार से वंचित कर उसे मौत के मुंह में धकेल देता है। भारत, जिसे अपनी गुणवत्ता और सामर्थ्य के कारण दुनिया की 'फार्मेसी' कहा जाता है, उसके लिए यह संकट दोहरा है। यह हमारी अंतरराष्ट्रीय साख को भी धूमिल करता है। समय की मांग है कि कानून की शक्ति और तकनीक की पारदर्शिता आपस में हाथ मिलाकर एक ऐसा अभेद्य तंत्र विकसित करें, जहां अपराधी के लिए कोई छिद्र शेष न रहे। भारत में दवाओं के नियमन का ढांचा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के साथ शुरू हुआ था, जो अपने समय के अनुसार एक ठोस दस्तावेज था। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला, अपराधियों के सिंडिकेट ने कानून की कमियों को पहचान लिया। साल 2008 में सरकार को यह आभास हुआ कि पुराने कानून में निहित मामूली जुर्माने और सजा इन बड़े गिरोहों के लिए कोई डर पैदा नहीं करते। इसी कारण अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए ताकि कानून के दांतों को पैना किया जा सके। वर्तमान में, धारा 27(ए) के अंतर्गत कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि किसी नकली दवा के सेवन से व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचती है, तो दोषी को कम से कम 10 साल की कड़ी सजा का प्रावधान है, जिसे अपराध की गंभीरता के आधार पर आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही, 10 लाख रुपये या दवा की कुल कीमत का तीन गुना तक का भारी जुर्माना लगाया जाता है। न्यायपालिका ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है।

'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम अशोक कुमार शर्मा' (2020) जैसे ऐतिहासिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को किसी भी प्रकार की न्यायिक रियायत या नरमी नहीं मिलनी चाहिए। अदालतों ने ड्रग इंस्पेक्टर्स की शक्तियों को स्पष्ट करते हुए उन्हें जांच, नमूना संग्रह और जब्ती की प्रक्रिया में अधिक स्वायत्तता प्रदान की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी खामियों के कारण कोई अपराधी कानून की पकड़ से बाहर न निकल सके। कानून का यह प्रहार तब और प्रभावी हो जाता है जब इसे डिजिटल नवाचारों का समर्थन मिलता है। आज का दौर डेटा और पारदर्शिता का है, जहां 'ट्रैक एंड ट्रेस' तकनीक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। कागजी दस्तावेजों के हेरफेर के दिन अब लद चुके हैं और सरकार द्वारा शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड अनिवार्य करना इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। तकनीकी मोर्चे पर सबसे शक्तिशाली समाधान 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' में निहित है। यदि दवा के कच्चे माल यानी 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट' की खरीद से लेकर कारखाने में उसके निर्माण, फिर डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम और अंततः मरीज के हाथ तक पहुंचने की हर कड़ी को एक सुरक्षित 'डिजिटल लेजर' में दर्ज करें, तो हेरफेर की संभावना शून्य हो जाती है। ब्लॉकचेन की खूबी यह है कि इसमें एक बार दर्ज जानकारी को कोई भी माफिया बदल या मिटा नहीं सकता। इसके साथ ही, एक 'सेंट्रलाइज्ड नेशनल ड्रग डेटाबेस' की स्थापना अनिवार्य है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। कोई पौधा लगाएँ। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आप–को अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। अगर आज आप किसी को सलाह देते हैं, तो ख़ुद लेने के लिए भी तैयार रहें। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर जाते समय ज़िंदगी को पूरी शिद्दत से जिएँ। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। जी–वनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अपने क़रीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। कोई पौधा लगाएँ। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो अनुभवी हों। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। नये यार–दोस्त आज का दिन ख़ास बनाएंगे। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। जितना आपने सोचा है, आपके दोस्त उससे ज़्यादा मददगार साबित होंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से यह थोड़ा मुश्किल वक़्त है।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 जनवरी 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 09:20 तक
नक्षत्र : अश्विनी दोपहर 12:33 तक
योग : साध्य प्रातः 09:11 तक
करण : विष्टि प्रातः 10:19 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:08 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:18 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:09 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:00 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , भीष्माष्टमी , भद्रा प्रातः 10:17 तक , गण्डमूल दोपहर 12:33 तक , भारतीय गणतंत्र दिवस 77 वा , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लोकतंत्र को सशक्त बनाने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सभी मिलकर करें प्रयास : हरिभाऊ बागडे

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत के लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ बनाने के लिए सभी को सामूहिक रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि सौ करोड़ से अधिक मतदाताओं के साथ भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसकी आधारशिला सहिष्णुता की समृद्ध संस्कृति पर टिकी हुई है। उन्होंने चुनावी खर्च को कम करने की दिशा में एक साथ चुनाव प्रणाली अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे बचाई गई राशि का उपयोग राष्ट्र विकास में किया जा सकता है। उन्होंने लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सभी संबंधित पक्षों को मिलकर प्रभावी प्रयास करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद संविधान के निर्माण के पश्चात वर्ष 1952 में प्रथम आम चुनाव आयोजित किए गए थे, जिसमें प्रत्याशियों के लिए अलग–अलग रंगों के मतपेटियों का उपयोग किया जाता था। आज तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप ईवीएम के माध्यम से मतदान प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी एवं सुगम हो गई है।

राज्यपाल ने कहा कि राज्यभर में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए किए गए कार्य अत्यंत सराहनीय एवं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों का पूर्ण शुद्धता के साथ निर्माण किया जा रहा है, जिसमें बीएलओ के साथ–साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की सहभागिता से सभी स्तरों पर पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

इससे पूर्व राज्यपाल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा मतदान को लोकतंत्र का मूल अधिकार बताते हुए इस आशय का संदेश केनवास पर अंकित किया। उन्होंने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 पर आधारित डॉक्युमेंट्री का विमोचन भी किया, जिसमें इस अभियान की पूरी यात्रा को दर्शाया गया है। कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारियों, ईआरओ एवं बीएलओ द्वारा अपने अनुभव भी साझा किए गए।

समारोह में राज्यपाल महोदय द्वारा मतदाता शपथ का वाचन कराया गया। राज्य में निर्वाचन संबंधी गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, पर्यवेक्षक, बूथ लेवल अधिकारी सहित विभिन्न श्रेणियों के कुल 79 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें राजसमंद कलक्टर अरूण कुमार हसीजा, अलवर एवं खैरथल–तिजारा कलक्टर अर्तिका शुक्ला, बालोतरा कलक्टर सुशील कुमार, धौलपुर कलक्टर श्रीनिधि बी.टी. एवं श्रीगंगानर के जिला जनसंपर्क अधिकारी अनिल कुमार शाक्य प्रमुख है। कार्यक्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने भी राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।

स्टोनमार्ट में माइंस पेवेलियन देशी–विदेशी दर्शकों के लिए होगा बहुआयामी : टी. रविकान्त

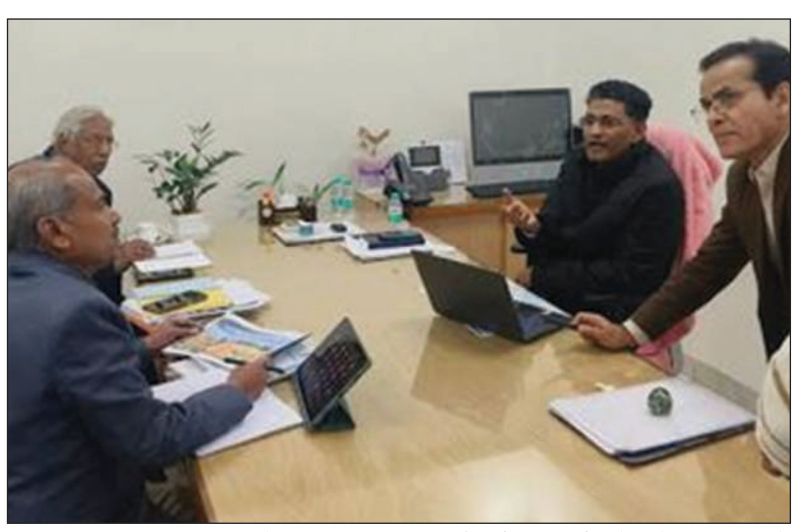

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य के खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग द्वारा जयपुर में आयोजित स्टोन मार्ट में राजस्थान के डायमेंशनल स्टोन की विविधता, गुणवत्ता और विश्वव्यापी पहचान को प्रभावी तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलिम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने खनिज भवन में स्टोन मार्ट की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान का माइंस का पेवेलियन बहुआयामी, बहुअपयोगी और राजस्थान की खनिज संपदा से देश–विदेश के प्रतिभागियों को रुबरु कराने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिजों और खासतौर से स्टोन की दृष्टि से समूचे विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। राजस्थान में विश्वविख्यात संगेमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन, क्वार्टजाइट की अनेक वैरायटियां होने के साथ ही सेंड स्टोन की भी अपनी पहचान है। राजस्थान में हरा, काला तो रोजी पिंक, सफेद ग्रेनाइट सहित ग्रेनाइट की ही अनेक वैरायटी उपलब्ध है। इसी तरह से सफेद मार्बल से लेकर अनेक डिजाइन के मार्बल उपलब्ध है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि स्टोनमार्ट में माइंस व आरएसएमएम के पेवेलियम में 40 से अधिक तरह के डायमेंशनल स्टोन प्रदर्शित किये जायेंगे। राजस्थान के अलग अलग क्षेत्रों में विविध वैरायटी के मार्बल, ग्रेनाइट, सेंड स्टोन के भण्डार है। देश विदेश के प्राचीन व आधुनिक विश्वख्यात धरोहरों में राजस्थान के आयामी पत्थरों का उपयोग सदियों से किया जाता रहा है। श्री राम मंदिर, ताजमहल, संसद भवन सहित ख्यातनाम भवनों में राजस्थान के स्टोन का उपयोग होता आ रहा है। कोटा स्टोन की अपनी पहचान रही है। बंशी पहाड़पुर के सेंड स्टोन का उपयोग श्री राम मंदिर के निर्माण में किया गया है। इसी तरह के आधा दर्जन से अधिक डिजाइन के सेंड स्टोन राजस्थान की धरा की कोख से निकल रहे हैं।

टी. रविकान्त ने स्टोन मार्ट में माइंस के पेवेलियन में प्रदेश की सभी वैरायटी के मार्बल, ग्रेनाइट, सेंडस्टोन, कोटा स्टोन, क्वार्टजाइट आदि को उनकी विशेषताओं के साथ प्रदर्शित करने के साथ ही खनन क्षेत्र में रुचि रखने वाले आगंतुकों की जिज्ञासाओं का समुचित समाधान करने के साथ ही यह भी जानकारी दी जाए कि कहां कहां किस वैरायटी का डायमेंशनल स्टोन के भण्डार उपलब्ध है। इसके साथ ही पेवेलियन पर राजस्थान की खनिज संपदा के प्रदर्शन के साथ ही उसके संबंध में विस्तार से ज्ञानपरक जानकारी देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्टोन मार्ट के नोडल अधिकारी अधीक्षण खनि अभियंता जयपुर संजय सक्सेना ने बताया कि राजस्थान के सभी प्रकार के डायमेंशनल स्टोन को आकर्षक व प्रभावी तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा।

लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने नसीराबाद में ब्रिगेड की तैयारी का लिया जायजा

अजमेर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने रविवार को नसीराबाद मिलिट्री स्टेशन का दौरा कर वहां तैनात लॉजिस्टिक यूनिट्स की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ड्रोन तकनीक के उपयोग, प्रशिक्षण व्यवस्था और जवानों के कल्याण से जुड़े पहलुओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और सैनिकों से भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार रखने और आधुनिक तकनीक को तेजी से अपनाने का आह्वान किया। दरअसल, दक्षिणी कमान भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर जानकारी दी कि लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान, वाईएसएम, एसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग सुदर्शन चक्र कोर, ने रविवार को नसीराबाद मिलिट्री स्टेशन का दौरा किया। यहां उन्होंने 'सबसे बेहतर ब्रिगेड' की तैयारी का जायजा लिया, जो फर्स्ट टू स्ट्राइक ब्रिगेड का हिस्सा है। इसके साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने कुछ अहम लॉजिस्टिक यूनिट्स का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें ऑपरेशनल जिम्मेदारियों, ट्रेनिंग के खास पहलुओं, आधारभूत संरचना के सुधार और जवानों की भलाई से जुड़ी योजनाओं की पूरी जानकारी दी गई।

इसके बाद जनरल चौहान ने एक कैपेबिलिटी डेवलपमेंट कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की, जिसमें सुदर्शन चक्र कोर के सभी फॉर्मेशन कमांडर मौजूद थे। उन्होंने इस मौके पर ड्रोन जैसी अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (यूएएस) और इनके काउंटर–यूएएस सिस्टम्स की अहमियत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि रिपेयर और रीजेनरेशन की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए, ताकि तकनीक का सही इस्तेमाल हो सके। उन्होंने ट्रेनिंग के लिए भी बेहतर सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया।

जनरल ने यह भी बताया कि अलग–अलग हथियारों और टुकड़ियों के बीच तालमेल, यानी कम्बाइंड आर्म्स इंटीग्रेशन, बहुत जरूरी है ताकि ऑपरेशन्स ज्यादा असरदार बन सकें। उनका कहना था कि बदलती लड़ाई की परिस्थितियों में ऑपरेशनल एफेक्टिवनेस बढ़ाना बहुत जरूरी है। उन्होंने जवानों को भविष्य के लिए तैयार रहने और हर तरह की नई चुनौतियों के लिए एडाप्ट होने की हिदायत दी।

युवा मताधिकार के साथ राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का भी करें बोध : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सांगानेर स्थित कैम्प कार्यालय में नव मतदाताओं का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र के निर्माता होने के साथ ही भविष्य के कर्णधार भी हैं। वे अपने मताधिकार का उपयोग करने के साथ ही राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का भी बोध करें। शर्मा ने कहा कि नव मतदाता यह विचार करें कि हमारे देश और प्रदेश का स्वरूप कैसा हो, क्योंकि प्रत्येक वोट देश और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में नव मतदाता बनने के अवसर को उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया है, क्योंकि यह हमें लोकतंत्र की महानता और श्रेष्ठता का अहसास करवाता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का दायित्वबोध होना आवश्यक है कि हम हमारे जीवन को क्या दिशा देंगे। शर्मा ने कहा कि युवा राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को आत्मसात करे और हमारे पूर्वजों के बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में बढ़–चढ़कर भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दो वर्ष में युवाओं के हित में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। पूर्ववर्ती सरकार के समय पेप–रलीक कर युवाओं के सपनों पर कुठाराघात करने वालों को हमने गिरफ्तार कर सजा दिलवाई है। राज्य सरकार ने अब तक एक लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी हैं और 1 लाख 43 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राज्य सरकार ने इस वर्ष के लिए नए एक लाख पदों पर भर्ती हेतु परीक्षा कैलेण्डर भी जारी किया है। युवा मेहनत और लगन से तैयारी कर सफलता प्राप्त करें। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, नव मतदाता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

करोड़ों परिवारों को सहारा देने वाली योजना मनरेगा को कमजोर किया जा रहा है : सैलजा

सिरसा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्णयानुसार मनरेगा को कमजोर किए जाने के विरोध में आज सिरसा जिले के गाँव पतली डाबर (डिंग मोड़) में पंचायत–स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सिरसा से कांग्रेस सांसद, राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने मुख्य रूप से भाग लिया। इस अवसर पर कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला, पूर्व विधायक प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा, राजकुमार शर्मा, वीरभान मेहता, संदीप नेहरा, कृष्णा फोगाट, जयपाल सिंह लाली, नवीन केडिया, सरपंच हनुमान बिश्नोई, लाधुराम पूनिया, लाल बहादुर खोवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरेखा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्वरूप में किए जा रहे बदलाव मजदूरों के काम मांगने के कानूनी अधिकार, समय पर मजदूरी और ग्राम पंचायतों की स्वायत्तता को कमजोर कर रहे हैं। डिजिटल सत्यापन की जटिलताएँ, भुगतान में देरी, बजट में पर्याप्त वृद्धि का अभाव और प्रशासनिक केंद्रीकरण मनरेगा की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसे कठिन समय में मनरेगा ने करोड़ों परिवारों को सहारा दिया, लेकिन आज उसी योजना को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया जा रहा है। पंचायतों से निर्णय लेने का अधिकार छीना जा रहा है, जिससे स्थानीय जरूरतों की अनदेखी हो रही है। केंद्रीय जांच एजेंसियों का हो रहा है दुरुपयोग कुमारी सैलजा ने कहा कि जिस प्रकार भारत सरकार द्वारा ईडी तथा अन्य केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, उससे यह स्पष्ट है कि ये संस्थाएँ दबाव में काम कर रही हैं। केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित करने के लिए किया जा रहा है। आने वाले समय में यह भी सामने आएगा कि किस प्रकार गलत ढंग से मामले गढ़े गए, जिनमें वर्षों तक न तो कोई निष्कर्ष निकलता है और न ही न्याय होता है, जबकि संबंधित व्यक्तियों का सार्वजनिक और व्यक्तिगत जीवन प्रभावित होता है। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता के लिए घातक है।

उन्होंने यह भी बताया कि कल भट्टू, जिला फतेहाबाद में नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) के माध्यम से नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

नायब सिंह सैनी ने 14 गौशालाओं को 1.22 करोड़ का चारा अनुदान वितरित किया

चंडीगढ़, 25 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर गौसेवा को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए माता मनसा देवी गौधाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिले की 14 गौशालाओं को 1 करोड़ 22 लाख 46 हजार रुपये की चारा अनुदान राशि के चेक वितरित किए। इसके साथ ही उन्होंने सकेतड़ी की पहाड़ी पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर तक जाने वाले कच्चे रास्ते के सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण के लिए 20 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी सुमन सैनी के साथ माता मनसा देवी गौधाम में गौसेवा की। उन्होंने गौमाता को चारा और गुड़ खिलाकर आशीर्वाद लिया तथा विधिवत गौ पूजन किया। इस अवसर पर गौभक्तों और गौशाला प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या मौजूद रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को आदिकाल से पूजनीय माना गया है और उसे माता का दर्जा प्राप्त है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गाय में सभी देवी–देवताओं का वास होता है। इसी आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी के भाव से प्रेरित होकर देशभर में गौशालाओं की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार गौशालाओं के विकास, गौवंश संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में पंजीकृत गौशालाओं को चारे के लिए 270 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जा चुका है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धर्माबाद रेलवे स्टेशन पर कैंप कोर्ट, 36 लोगों पर जुर्माना

धर्माबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्रपति संभाजीनगर के रेलवे न्यायाधीश सतीश अहेर की अध्यक्षता में धर्माबाद रेलवे स्टेशन पर 23 जनवरी को कैंप कोर्ट का आयोजन किया गया। इस दौरान रेलवे नियमों का उल्लंघन करने वाले 36 लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। बिना टिकट यात्रा, ट्रैक पार कर बिना अनुमति प्रवेश, चेन खींचकर ट्रेन रोकना, नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करना और बिना लाइसेंस फेरी लगाना जैसे मामलों की सुनवाई हुई। रेलवे कोर्ट ने कुल 36 व्यक्तियों पर जुर्माना लगाया। कैंप कोर्ट का उद्देश्य यात्रियों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उल्लंघनों को रोकना है। इस अवसर पर आरपीएफ सहायक पुलिस उपनिरीक्षक रामाशीष कुमार, पोहेकॉ ई.एम. वाघमारे, पोहेकॉ विलास डोंगरे, कॉन्स्टेबल भानुदास सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। रेलवे प्रशासन ने अपील की है कि यात्री नियमों का पालन करें और वाहन निर्धारित पार्किंग में ही खड़ा करें।

गणतंत्र दिवस समारोह भव्य रूप से आयोजित हो : के. हरिता

आसिफाबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर के. हरिता ने निर्देश दिए कि 26 जनवरी को जिला केंद्र में होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य रूप से आयोजित किया जाए।

रविवार को जिला अपर कलेक्टर दीपक तिवारी, एम. डेविड और राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ उन्होंने तैयारियों का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने संबंधित विभागों को दायित्व कुशलतापूर्वक निभाने के निर्देश दिए। मुख्य निर्देश इस प्रकार हैं: पेयजल, छाया और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के लिए स्टॉल लगाएं। छात्र-छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए मैदान तैयार रखें। अधिकारियों को समारोह में किसी प्रकार की चूक न होने का सख्त निर्देश दिया गया।

नगर पालिका चुनाव: एमसीपीआईयू 8 वार्डों में लड़ेगी
जनमुद्दों पर लड़ने वाले उम्मीदवारों को जिताने का आह्वान

बेल्लमपल्ली, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एमसीपीआईयू पार्टी की जिला सचिव पासुलेटी वेंकटेश ने पार्टी कार्यालय में कहा कि आगामी नगर पालिका चुनावों में पार्टी 8 वार्डों से उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने जनता से अपील की कि बिना आपराधिक मामले वाले, जनमुद्दों पर लड़ने वाले एमसीपीआईयू नेताओं को जिताएं।

वेंकटेश ने बीजेपी, बीआरएस और कांग्रेस सरकारों पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को 2500 रुपये, पेंशन वृद्धि, कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत एक तोला सोना जैसे वादे किए, लेकिन पूरे नहीं किए। अब सत्ता में रहते हुए भी झूठे वादों पर घूम रही हैं।

उन्होंने बेल्लमपल्लीवासियों को क्रांतिकारी अभिवादन देते हुए कहा कि जनता के बीच रहने वाले एमसीपीआईयू उम्मीदवारों को वार्ड काउंसलर बनाकर जिताएं, ताकि वास्तविक बदलाव हो सके।

विधायक गड्डम विनोद ने बुग्गा मंदिर समिति का गठन किया

बेल्लमपल्ली, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक गड्डम विनोद वेंकटस्वामी ने रविवार को अपने एमएलए कैंप कार्यालय में बेल्लमपल्ली मंडल के कन्नाला ग्राम पंचायत अंतर्गत श्री बुग्गा राजराजेश्वर स्वामी मंदिर के लिए नई समिति का गठन किया।

सदस्यों को विधायक कार्यालय से नियामक पत्र सौंपे गए। समिति के सदस्य इस प्रकार हैं:- चेयरमैन: दूडा महेश (सोमागुडेम), डायरेक्टर: कोरला पुष्पा (तांडूर), मंदा उदय (विकास), पेदी राजेंदर (बेल्लमपल्ली), डायरेक्टर: चिलुवेरु अरविंदु (अंकुशम), मीसा रमेश (चिन्ना बुद्धा), सुंकरी राजेश, डोनर रामकृष्णपुर शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक गड्डम विनोद ने कहा कि यह मंदिर इलाके के लिए आध्यात्मिक केंद्र है। नई समिति मंदिर का विकास करेगी और भक्तों को बेहतर

सुविधाएं देगी। उन्होंने निर्देश दिए कि 2026 का महाशिवरात्रि उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया जाए। साथ ही, मंदिर विकास के लिए सरकार और उनका पूरा समर्थन रहेगा।

आसिफाबाद में श्री बालेश्वर स्वामी रथोत्सव धूमधाम से शुरू

आसिफाबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला कलेक्टर के. हरिता और एसपी श्रीमती नितिका पंत ने श्री बालेश्वर स्वामी रथोत्सव का शुभारंभ किया। दोनों ने रथ की विशेष पूजा कर भव्य रूप से कार्यक्रम की शुरुआत की।

मंदिर समिति के सदस्यों ने कलेक्टर और एसपी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा धन्यवाद दिया।

एसपी नितिका पंत ने बताया कि मेले को देखते हुए मंदिर क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस व्यवस्था की गई है।

यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और शांति-सुरक्षा के लिए विशेष उपाय किए गए हैं।

कार्यक्रम में मंदिर समिति सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

यादगिरीगुट्टा हत्या मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

यादगिरीगुट्टा, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 23 जनवरी 2026 को शाम 7 बजे मैलारीगुडेम गांव के हरि हर कॉटेज में ठाकुर निशांत सिंह (33 वर्ष, पुत्र के. श्रीहरि) की हत्या कर दी गई। मृतक की बहन ठाकुर दीपिका को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 24 जनवरी को उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू हुई। 25 जनवरी को विश्वसनीय सूचना पर पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनमें- वनागंती

उपेंद्र (30 वर्ष, दस्तावेज लेखक, नल्लापोचम्मावदा), अकुला बाला मल्लेश (33 वर्ष, मेसन, यादगिरिपल्ली), बेलमकोंडा साई कुमार (25 वर्ष, ड्राइवर, मैलारिगुडेम), तीनों से पूछताछ के बाद रिमांड पर भेज दिया गया। बाकी आरोपी फरार हैं। जब्त सामान में होंडा एक्टिवा स्कूटी, दो चाकू और दो स्मार्टफोन शामिल हैं। जांच जारी है।

आदिवासी क्षेत्रों में सेवाओं के लिए शिक्षक कुर्सेंगा दौलत सम्मानित

कागजनगर, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चिंतमनपल्ली मंडल के बाबापुर ट्राइबल वेलफेयर आश्रम हाई स्कूल में द्वितीय श्रेणी शिक्षक के रूप में रिटायर हुए कुर्सेंगा दौलत के सम्मान में रविवार को सभा आयोजित की गई।

ट्राइबल वेलफेयर विभाग के एसीएमओ पुरका उद्धव ने कहा कि आदिवासी इलाकों में उनकी सेवाएं सराहनीय हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवन की कामना की और शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में टीएसटीडब्ल्यूटीयू जिला अध्यक्ष राठौड़ रविंदर, स्कूल प्रिंसिपल भुक्या गोपी प्रसाद, शिक्षक, छात्र और अन्य लोग शामिल हुए।

श्री साईं महोत्सव-2026 वार्षिक उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

हुब्बली, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तालुका के काडणकोप्पा ग्राम स्थित सिद्धार्थ शैक्षणिक संस्थान द्वारा संचालित साईं इंटरनेशनल इंग्लिश मीडियम आवासीय हाई स्कूल में श्री साईं महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ आत्मानंद आश्रम, शृंगेरी के पूज्य श्री कृष्णानंद महास्वामीजी के सान्निध्य में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जैन युवा संगठन, हुब्बली के अध्यक्ष इंद्र कुमार जैन द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भारती एजुकेशन सोसाइटी हुब्बल्ली के महामंत्री सुभाष डंक उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में कलघटगी तालुका की ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गायत्री सज्जनर, व्यवसायी सुरेश जैन (गदग), मारवाड़ी युवा मंच हुब्बली शाखा के अध्यक्ष अंकुश संकलेचा सहित अनेक गणमान्य अतिथि सम्मिलित हुए। समारोह की अध्यक्षता सिद्धार्थ शिक्षण संस्थान की अध्यक्ष दिव्या पंवार ने की। मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए पूज्य श्री कृष्णानंद

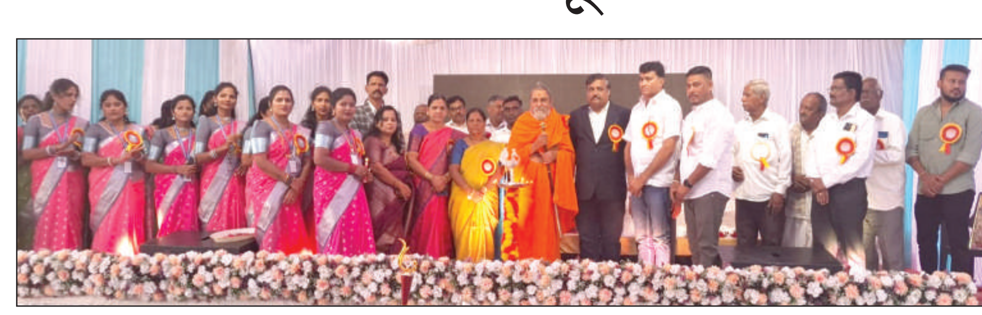

महास्वामीजी ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि शहरों से दूर ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालय का संचालन कर बच्चों के भविष्य को संवारने का कार्य अत्यंत सराहनीय एवं अनुकरणीय है। शिक्षा ही समाज के विकास का सशक्त माध्यम है और सिद्धार्थ शैक्षणिक संस्थान इस दिशा में प्रशंसनीय योगदान दे रहा है।

संस्थान के प्रमुख प्रशांत पंवार ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र में अनेक नए शैक्षणिक प्रोजेक्टों के माध्यम से संस्था शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल करेगी तथा विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस दौरान जैन युवा संगठन के अध्यक्ष इंद्र कुमार जैन भी संबोधित किया

इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा मेडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नृत्य, संगीत एवं नाट्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने भरपूर सराहना दी। विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम में भक्तों के लिए नि:शुल्क एंडोस्कोपी जांच सुविधा

धर्माबाद/नांदेड, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी पर्व के अवसर पर यहां मोदी मैदान में आयोजित भव्य समागम कार्यक्रम में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए गैलेक्सी हेल्थ केयर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नि:शुल्क एंडोस्कोपी जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

महाराष्ट्र का पहला मोबाइल एंडोस्कोपी अस्पताल बना सेवा का माध्यम

गैलेक्सी हेल्थ केयर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा यह पहल लगातार दो दिनों तक संचालित की गई। यह ट्रस्ट महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पहला और एकमात्र मोबाइल एंडोस्कोपी अस्पताल है। इन दो दिनों के दौरान श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए नि:शुल्क जांच एवं उपचार की समुचित व्यवस्था की गई।

ग्रामीण मरीजों को राहत पहुंचाना मुख्य उद्देश्य : डॉ. नितिन जोशी

ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. नितिन जोशी ने परोपकारी प्रवृत्ति के तहत इस गतिविधि की शुरुआत की है। उन्होंने बताया कि यह सेवा विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, क्योंकि उनके लिए महंगी जांच हेतु शहर आना संभव नहीं हो पाता।

डॉ. जोशी ने बताया कि संस्था की स्थापना चार वर्ष पूर्व की गई थी और 26 जनवरी को संस्था की चौथी वर्षगांठ भी मनाई गई।

118 शिविर, 1500 से अधिक मरीजों की जांच व उपचार

डॉ. जोशी के अनुसार, बीते चार वर्षों में संस्था के माध्यम से कुल 118 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 1500 से अधिक मरीजों की नि:शुल्क जांच एवं उपचार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य कम उम्र में पाचन तंत्र से जुड़ी गंभीर बीमारियों का शीघ्र निदान कर देर से पहचान के कारण होने वाली मृत्यु दर को कम करना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाचन तंत्र में घाव और ट्यूमर का निदान प्रायः अंतिम चरण में होता है, ऐसे में प्रारंभिक अवस्था में एंडोस्कोपी के माध्यम से समय रहते बीमारी की पहचान सुनिश्चित करने के लिए यह सेवा शुरू की गई है।

नि:शुल्क सेवाओं से नागरिकों में संतोष

इस शिविर के दौरान डॉक्टर की जांच शुल्क, रक्त परीक्षण एवं ओरल एंडोस्कोपी जैसी सभी सेवाएं पूरी तरह नि:शुल्क प्रदान की गईं, जिससे लाभान्वित नागरिकों ने ट्रस्ट एवं आयोजकों के प्रति संतोष एवं आभार व्यक्त किया।

मेवाड़ जैन मित्र मंडल की बैठक सम्पन्न, कवि सम्मेलन आयोजित करने का लिया निर्णय

बेंगलूरु, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय मल्लेश्वरम स्थित एक निजी होटल में हाल ही में मेवाड़ जैन मित्र मंडल की कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में गौतम मांडोत ने सभी आगंतुकों का आत्मीय स्वागत किया और उपस्थित सदस्यों को नव वर्ष तथा मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दी। बैठक के दौरान प्रवीण दक ने पिछले कार्यक्रमों का पूरा लेखा-जोखा (हिसाब-किताब) सभी के सामने पेश किया। इस पर चर्चा करते हुए सदस्यों ने सुझाव दिया कि समाज की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह हिसाब सभी सदस्यों तक पहुँचना चाहिए। प्रवीण दक ने आश्वस्त किया कि इसकी व्यवस्था जल्द की जाएगी और सबसे पहले इसकी एक प्रति समाज के अध्यक्ष ललित मांडोत को सौंपी जाएगी।।आगामी गतिविधियों पर चर्चा करते हुए दीपक भटेवरा ने अगले कार्यक्रम के रूप में मकवि सम्मेलनफ करवाने का प्रस्ताव रखा।

इस सुझाव को सभी सदस्यों ने बेहद उत्साह के साथ स्वीकार किया और अपनी सहमति जताई। बैठक के अंत में संतोष भटेवरा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अमृत दलाल, देवराज बोहरा, बंटू पिछोलिया, भीकम भटेवरा, हेमंत मेहता, दीपक, महावीर, जितेंद्र, सचिन, पंकज सहित मंडल के कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कबड्डी चैंपियंस लीग में डेब्यू को तैयार रोहतक रायल्स, डबल हेडर के दूसरे मुकाबले में करनाल किंग्स से होगी टक्कर

रोहतक (हरियाणा), 25 जनवरी (एजेंसियां)।
रोहतक शहर का प्रतिनिधित्व करने वाली फ्रेंचाइजी रोहतक रायल्स पहली बार कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) के मंच पर उतरने जा रही है। लीग के उद्घाटन सत्र में रायल्स अपना पहला मुकाबला 25 जनवरी को शाम 8 बजे खेलेगी, जहां उसका सामना करनाल किंग्स से होगा। यह मैच डबल-हेडर का दूसरा मुकाबला होगा और इसे लेकर स्थानीय प्रशंसकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

25 जनवरी से 7 फरवरी तक चलने वाली कबड्डी चैंपियंस लीग में हर दिन प्राइम-टाइम में मुकाबले खेले जाएंगे। ऐसे में रोहतक रायल्स की कोशिश अपने पहले ही मैच से टूर्नामेंट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की होगी।

टीम की कमान अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित और भारतीय कबड्डी के अनुभवी आलराउंडर संदीप नरवाल को सौंपी गई है। उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता को टीम के लिए बड़ा सहारा माना जा रहा है। कोच सुरेंद्र नाडा ने कहा कि खिलाड़ियों ने तैयारी के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम का माहौल सकारात्मक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम रणनीति के अनुरूप खेलते हुए सीजन की अच्छी शुरुआत करेगी।

कप्तान संदीप नरवाल ने भी पहले मुकाबले को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि रोहतक और हरियाणा का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि टीम का फोकस अनुशासन और आपसी तालमेल के साथ खेलने पर है, ताकि युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ सके।

रोहतक रायल्स का स्क्वाड संतुलित नजर आ रहा है। रेडिंग, डिफेंस और आलराउंड विभाग में टीम के पास कई विकल्प मौजूद हैं। रेडिंग की जिम्मेदारी विजय मलिक समेत युवा और स्थानीय खिलाड़ियों के कंधों पर होगी, जबकि डिफेंस में अनुभवी और उभरते खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन देखने को मिलेगा। वहीं, करनाल किंग्स भी इस मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को शामिल किया गया है, जिससे मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है। कबड्डी चैंपियंस लीग का सीधा प्रसारण ज़ी नेटवर्क और डीडी स्पोर्ट्स सहित कई टीवी चैनलों और ओटीटी प्लेटफार्म्स पर किया जाएगा, जिससे देश-विदेश के दर्शक लाइव एक्शन का आनंद ले सकेंगे। हरियाणा की समृद्ध कबड्डी परंपरा से प्रेरित रोहतक रायल्स अपने पहले ही सीज़न में जीत के साथ आगाज़ कर एक मजबूत पहचान बनाने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026 के लिए एमएस धोनी की तैयारी शुरू, पैड पहनते वीडियो ने बढ़ाया उत्साह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और चेन्नई सुपर किंग्स के सबसे बड़े चेहरों में शामिल महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। शनिवार को सोशल मीडिया पर धोनी का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह पैड पहनते और बल्लेबाजी के लिए तैयार होते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है, जिसने क्रिकेट फैंस के बीच एक बार फिर उत्साह की लहर दौड़ा दी है। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा साझा किए गए वीडियो के कैप्शन में लिखा गया, देखो कौन वापस आ गया है। वीडियो में धोनी का शांत लेकिन आत्मविश्वास से भरा अंदाज दिखाई दे रहा है, जिसे देखकर फैंस एक बार फिर उन्हें मैदान पर देखने को लेकर रोमांचित हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद धोनी अब सिर्फ आईपीएल में ही खेलते नजर आते हैं, लेकिन उनकी मौजूदगी ही टूर्नामेंट की चमक को कई गुना बढ़ा देती है। एमएस धोनी ने दिसंबर 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था और अपनी कप्तानी में भारत को तीनों फार्मेट में ऐतिहासिक सफलताएं दिलाईं।

राजनीति में जीत मिली, क्रिकेट में हार गए, बांग्लादेश के बाहर होने पर पूर्व बीसीबी महासचिव का बड़ा बयान

ढाका। 2026 टी20 वर्ल्ड कप से बांग्लादेश के बाहर होने के बाद देश के क्रिकेट जगत में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के पूर्व महासचिव सैयद अशरफुल हक ने इस फैसले को बांग्लादेश क्रिकेट के लिए विनाशकारी करार दिया है। एक बातचीत में अशरफुल हक ने कहा कि बांग्लादेश ने भले ही राजनीतिक स्तर पर अपनी बात रख दी हो, लेकिन क्रिकेट के मोर्चे पर भारी नुकसान उठाया है। उन्होंने कहा, हमने शायद राजनीतिक लड़ाई जीत ली, लेकिन क्रिकेट की जंग पूरी तरह हार गए। उनके अनुसार मौजूदा बोर्ड ऐसे फैसले ले रहा है जो अल्पकालिक राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित हैं। हक ने आरोप लगाया कि खिलाड़ियों से बिना राय लिए उन्हें वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच से वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि भारत में सुरक्षा को लेकर चिंता थी, तो बोर्ड को सुरक्षा व्यवस्था का पूरा विवरण खिलाड़ियों के सामने रखना चाहिए था और अंतिम फैसला उन पर छोड़ना चाहिए था। पूर्व महासचिव ने चेतावनी दी कि इस फैसले से बांग्लादेश क्रिकेट की वैश्विक छवि को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय में बांग्लादेश अब एक विवादास्पद और असहयोगी देश के रूप में देखा जाएगा। इसका असर भविष्य में आईसीसी के साथ रिश्तों और टूर्नामेंट आवंटन पर भी पड़ सकता है। आर्थिक नुकसान को लेकर भी अशरफुल हक ने चिंता जताई। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश की व्यूअरशिप दुनिया में तीसरे या चौथे स्थान पर है।

स्क्वैश: भारत की अनाहत सिंह ने दूसरे दौर में जगह बनाई, पुरुष वर्ग में अभय सिंह की हार

न्यूयार्क। पीएसए प्लैटिनम इवेंट, स्प्राट टूर्नामेंट आफ चैंपियंस में भारत की अनाहत सिंह ने इंग्लैंड की लूसी

टुरमेल को हराकर दूसरे राउंड में पहुंच गए है। उनकी जीत में दमदार बेसलाइन गेम और निर्णायक फोरहैंड शाट्स का बड़ा योगदान रहा। अनाहत का अगला मुकाबला जापान की छठी सीड सतोमी वतनबे से होगा। अनाहत के प्रदर्शन ने उनकी लगातार मेहनत और अनुभव को दिखाया है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में हुए ब्रिटिश जूनियर ओपन में महिलाओं के अंडर-19 फाइनल में शानदार खेल दिखाया था। फ्रांस की दूसरी सीड लारेन बाल्टायान से उन्हें हार मिली थी, जो उनके नौवें बीजेओ फाइनल में था। सेमीफाइनल में उन्होंने मिस्र की मलिका एल कराक्सी को सिर्फ 28 मिनट में हराया था। दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने 2025 में पीएसए टूर में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन टूर के अपने दूसरे सीजन में विश्व रैंकिंग 28 तक पहुंचकर टाप-20 खिलाड़ियों को चुनौती दी। हाल ही में चेन्नई में इंडियन स्क्वैश अकादमी में एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4 के फाइनल में उन्होंने पूर्व विश्व नंबर 10 जोशना चिनप्पा को पांच सेट के रोमांचक मैच में हराया।

अभिषेक का तूफान, सिर्फ 10 ओवर में 155 रन बरसाकर न्यूजीलैंड से जीता मैच, भारत के नाम सीरीज

गुवाहाटी, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
भारत ने न्यूजीलैंड को तीसरे टी20 मैच में 10 ओवरों के शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 3-0 से पांच मैचों की टी20 सीरीज में अजेय बढ़त बना ली। रविवार को गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने ग्लेन फिलिप्स की 48 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 153 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव की नाबाद अर्धशतकीय पारियों की बदौलत महज 10 ओवर में 155 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत झटके के साथ हुई। लगातार तीसरे मुकाबले में सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। वह पहली ही गेंद पर मैट हेनरी का शिकार बन गए और खाता भी नहीं खोल सके। सैमसन इस सीरीज में अब तक सिर्फ 16 रन बना पाए हैं। टी20 विश्व कप से पहले उनका खराब प्रदर्शन भारतीय टीम के लिए चिंता का सबब बन सकता है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत ने महज 3.1 ओवर में 50 रन पूरे कर लिए और अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले टीम ने 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ 3.4 ओवर में 50 रन बनाए थे। किशन के पवेलियन लौटने के बाद आए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड की बखिया उधेड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अभिषेक के साथ कीवी गेंदबाजों को जमकर धोया। इस दौरान भारत ने पावरप्ले का अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। शुरुआती छह ओवरों में भारत ने इस मैच में दो विकेट पर 94 का स्कोर बनाया। इससे पहले टीम इंडिया ने वानखेड़े में इंग्लैंड के खिलाफ पावरप्ले में 95/1 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में अभिषेक शर्मा का बल्ला एक बार फिर गरजा और उन्होंने महज 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। वह भारत के लिए युवराज सिंह (12 गेंद) के बाद इस प्रारूप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। वहीं, किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ सबसे तेज अर्धशतक लगाने के मामले में वह संयुक्त रूप से तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। उन्होंने कॉलिन मुनरो की बराबरी कर ली, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 2016 में महज 14 गेंदों में ही अर्धशतक जड़ा था।अभिषेक शर्मा के अलावा सूर्यकुमार यादव ने भी अपना जलवा बिखेरा। उन्होंने 25 गेंदों में अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 23वां अर्धशतक पूरा किया और भारत की जीत सुनिश्चित की। पिछले मुकाबले में सूर्यकुमार ने कप्तानी पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी। आगामी विश्व कप से पहले उनका फॉर्म में लौटना अन्य टीमों के लिए बुरी खबर है। अभिषेक और सूर्यकुमार के बीच तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 102 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। दोनों ने भारत को महज 10 ओवरों के भीतर शानदार जीत दिलाई।

इससे पहले, न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 36 रन के स्कोर पर अपने तीन अहम विकेट गंवा दिए। हार्दिक पांड्या ने पहले ओवर में ही डेवोन कॉनवे (1) को शानदार कैच लेकर पवेलियन भेजा, जबकि अगले ओवर में रचिन रवींद्र (4) भी उनकी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में आउट हो गए। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने टिम सिफर्ट (12) को बोल्ड कर मेहमान टीम को और दबाव में डाल दिया।

मध्यक्रम में ग्लेन फिलिप्स और मार्क चैपमैन ने पारी को संभालने की कोशिश की और दोनों के बीच 52 रनों की अहम साझेदारी हुई।

चेतेश्वर पुजारा : धैर्य, समर्पण और टेस्ट क्रिकेट की दीवार

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
तेज रफ्तार क्रिकेट के इस दौर में जहां आक्रामक बल्लेबाजी और त्वरित रन सबसे बड़ी पहचान बन चुके हैं, वहीं चेतेश्वर पुजारा ने धैर्य और संयम को अपनी ताकत बनाया। जमाने के उलट चलना आसान नहीं होता, लेकिन पुजारा ने इसी कठिन रास्ते को चुना और टेस्ट क्रिकेट में भारत की सबसे मजबूत दीवार बनकर उभरे। क्रीज पर लंबा समय बिताने की क्षमता, मानसिक मजबूती और टीम के लिए संघर्ष करने की आदत ने उन्हें राहुल द्रविड़ के बाद दूसरा द वाल बना दिया।

25 जनवरी 1988 को गुजरात के राजकोट में जन्मे चेतेश्वर पुजारा के क्रिकेटर बनने के पीछे उनके पिता अरविंद पुजारा का बड़ा योगदान रहा। अरविंद खुद प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और कोच रहे थे। देश के लिए खेलने का उनका सपना अधूरा रह गया, लेकिन बेटे के जरिए उन्होंने उस सपने को साकार होते देखा। बचपन से ही क्रिकेट को जीवन का लक्ष्य बनाने वाले पुजारा ने सौराष्ट्र की ओर से घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई और 2005 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। लगातार पांच साल तक घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद 2010 में उन्हें आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू का मौका मिला। यह वह समय था जब राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण जैसे दिग्गज अपने करियर के अंतिम दौर में थे और भारतीय टीम को भरोसेमंद विकल्प की तलाश थी। पुजारा ने इस मौके को दोनों हाथों से थामा और धीरे-धीरे टेस्ट टीम के स्थायी और भरोसेमंद स्तंभ बन गए। 2010 से 2023 के बीच भारत को टेस्ट क्रिकेट में मिली कई बड़ी सफलताओं में पुजारा की भूमिका अहम रही।

पर आस्ट्रेलिया दौरे पर 2018-19 की ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अविस्मरणीय रहा। चार टेस्ट मैचों में 521 रन बनाकर उन्होंने आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को थकाया और भारत की पहली बार्डर-गावस्कर ट्राफी जीत की नींव रखी। अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ 206 रन, जोहानसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 153 रन, रांची में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 202 रन की मैराथन पारी और आस्ट्रेलिया दौरे की कई जुझारू पारियां उनके करियर की पहचान बनीं। पुजारा ने अपने टेस्ट करियर में 103 मैचों की 176 पारियों में 7,195 रन बनाए, जिसमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत 43.60 रहा और सर्वोच्च स्कोर नाबाद 206 रन रहा।

कोहली के खास क्लब में शामिल हुए कप्तान सूर्या

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय वह टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। शुक्रवार 23 जनवरी को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ 209 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 82 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी ने न सिर्फ भारत को सात विकेट से यादगार जीत दिलाई, बल्कि उन्हें एक खास रिकार्ड क्लब में भी शामिल करा दिया। इस प्रदर्शन के साथ सूर्यकुमार यादव टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सफल रन चेज के दौरान सबसे ज्यादा बार नाबाद 50 या उससे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की एलीट सूची का हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि तीसरी बार हासिल की है और इस मामले में अब वह श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा की बराबरी पर पहुंच गए हैं। सूर्यकुमार की यह पारी दबाव में खेली गई एक परिपक्व और जिम्मेदार पारी थी, जिसमें उन्होंने आक्रामकता और संयम का बेहतरीन संतुलन दिखाया।

अंडर-19 विश्व कप : भारत ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया, जीत का सिलसिला रखा बरकरार

बुलावायो, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
भारतीय अंडर-19 पुरुष क्रिकेट टीम ने 2026 आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए ग्रुप चरण के एक बारिश से प्रभावित मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात विकेट से शिकस्त दी। यह मुकाबला शनिवार को जिम्बाब्वे के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 135 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज आर.एस. अम्ब्रिश ने घातक गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि हेनिल पटेल ने तीन अहम सफलताएं हासिल कीं। न्यूजीलैंड की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए।

जवाब में भारत ने लक्ष्य का पीछा आत्मविश्वास के साथ किया। हालांकि टीम ने एरन जार्ज का विकेट जल्दी गंवा दिया, लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने पारी को संभाल लिया। सूर्यवंशी ने 23 गेंदों में 40 रन की तेज पारी खेली, जबकि म्हात्रे ने 27 गेंदों में 53 रन बनाकर मैच पर भारत की पकड़ मजबूत कर दी। अंत में विहान मल्होत्रा (नाबाद 17) और वेदांत त्रिवेदी (नाबाद 13) ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया। भारत ने तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान पक्का कर लिया है और अब सुपर सिक्स चरण के ग्रुप-2 में जगह बना ली है, जहां इंग्लैंड, पाकिस्तान, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे की टीमें भी शामिल हैं। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम अपना अगला मुकाबला मंगलवार को जिम्बाब्वे से खेलेगी, जबकि 01 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला होगा।

78वीं देहरादून जिला क्रिकेट लीग के लिए आमंत्रण जारी, अंडर-19 खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा मंच

देहरादून, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

क्रिकेट एसोसिएशन आफ खंड (सीएयू) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 78वीं देहरादून डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 2026-27 सत्र में प्रस्तावित यह टूर्नामेंट अंडर-19 लड़कों की श्रेणी में खेला जाएगा, जिसका उद्देश्य जिले में उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं को पहचान देना और उन्हें प्रतिस्पर्धी मंच उपलब्ध कराना है।

लीग के कन्वीनर पी.सी. वर्मा ने जिले के विभिन्न क्रिकेट क्लबों और खेल संस्थाओं को औपचारिक आमंत्रण भेजते हुए टूर्नामेंट में भाग लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता दिखाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है और इससे जिला क्रिकेट को नई दिशा मिलेगी।

संभावना जताई जा रही है कि टूर्नामेंट की शुरुआत फरवरी 2026 से होगी, जबकि मैचों की अंतिम तिथियों और कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र की जाएगी। आयोजन पूरी तरह से बीसीसीआई और क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा।

पात्रता और पंजीकरण नियम

अंडर-19 वर्ग में वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनकी जन्मतिथि 1 सितंबर 2007 या उसके बाद की हो। सभी क्लबों और खिलाड़ियों को पात्रता से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। आयु सत्यापन और पंजीकरण से संबंधित मामलों में एसोसिएशन का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

पंजीकरण प्रक्रिया

पंजीकरण फार्म क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यालय का पता है मेजर राजी सराय, परगना कंपाउंड के पास, हथी खाना चौक, देहरादून (पिन-248001)। फार्म 19 से 24 जनवरी 2026 तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच उपलब्ध रहेंगे।

शुल्क विवरण

नए पंजीकृत क्लब/संस्था के लिए: 5,000, पहले से पंजीकृत क्लबों के लिए: 20,000, खिलाड़ी पंजीकरण शुल्क: 500 प्रति खिलाड़ी, (जो खिलाड़ी पहले से देहरादून डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग 2026-27 में पंजीकृत हैं, उनसे यह शुल्क नहीं लिया जाएगा।) शुल्क डिमांड ड्राफ्ट या नकद के माध्यम से एसोसिएशन कार्यालय में जमा किया जा सकता है। यह जिला स्तरीय प्रतियोगिता न केवल युवा क्रिकेटरों को आगे बढ़ने का अवसर देगी, बल्कि भविष्य के राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की नींव भी मजबूत करेगी।

दो इलेक्ट्रिक मॉडल कार वीएफ 6 और वीएफ 7 है पूरी तरह सुरक्षित

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी विनफास्ट के दो इलेक्ट्रिक मॉडल वीएफ 6 और वीएफ 7 को भारत एनकैप क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। भारतीय बाजार में मौजूद इन दोनों कारों ने यह साबित कर दिया है कि अब सिर्फ अमेरिका, चीन या जापान ही नहीं, बल्कि वियतनाम की कारें भी सेफ्टी के मामले में किसी से कम नहीं हैं।

भारत एनसीएपी की रिपोर्ट के अनुसार, वीएफ 6 और वीएफ 7 दोनों ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन किया है। वीएफ 6 ने एडल्ट सेफ्टी में 32 में से 27.13 अंक और बच्चों की सुरक्षा में 49 में से 44.41 अंक हासिल किए। वहीं वीएफ 7 ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में 28.54 और चाइल्ड प्रोटेक्शन में 45.25 अंक प्राप्त किए।

ये स्कोर साफ दिखाते हैं कि दोनों मॉडल यात्रियों की सुरक्षा के लिए उच्च स्तर की इंजीनियरिंग पर आधारित हैं। क्रैश टेस्ट के दौरान फ्रंटल और साइड इम्पैक्ट में दोनों कारों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। साइड इम्पैक्ट टेस्ट में वयस्कों और बच्चों दोनों के लिए इन्हें फुल स्कोर मिला।

पोल साइड इम्पैक्ट में भी सिर की चोट का स्तर तय सीमा से काफी कम पाया गया, जो गंभीर हादसों में बेहतर सुरक्षा का संकेत देता है। भारत एनसीएपी भारत सरकार द्वारा लागू किया गया सुरक्षा मानक है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रैश टेस्ट तरीकों पर आधारित है। तमिलनाडु में असेंबल की जा रही वीएफ 6 और वीएफ 7 प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी हैं। दोनों मॉडल 7 एयरबैग, मजबूत बॉडी स्ट्रक्चर और स्मार्ट एडीएएस फीचर्स जैसे ऑटो इमरजेंसी ब्रेकिंग, लेन कीप असिस्ट और ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन से लैस हैं।

न्यूज ब्रीफ

इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर सेगमेंट में 1010 प्रतिशत की रिकॉर्ड ग्रोथ

नई दिल्ली। देश के किसानों का रुझान अब सिर्फ डीजल ट्रैक्टर तक सीमित नहीं रहा। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर सेगमेंट ने बीते एक साल में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है और इसमें 1010 प्रतिशत की रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिली है। सीवाय25 के आंकड़ों पर नजर डालें तो डीजल ट्रैक्टर की बिक्री अभी भी सबसे ज्यादा रही। इस दौरान करीब 9.96 लाख डीजल ट्रैक्टर बिके, जो पिछले साल के मुकाबले 11.50 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि पेट्रोल/इथेनॉल और सीएनजी/एलपीजी ट्रैक्टर की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। इसके उलट इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर की बिक्री ने सभी को चौंका दिया। जहां सीवाय24 में सिर्फ 20 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर बिके थे, वहीं सीवाय25 में यह आंकड़ा बढ़कर 222 यूनिट पहुंच गया। कुल मिलाकर ट्रैक्टर सेगमेंट में सीवाय25 के दौरान करीब 9.96 लाख यूनिट की बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 11.52 प्रतिशत की मजबूत ग्रोथ दर्शाती है। यह साफ संकेत है कि खेती-किसानी में तकनीक और नए फ्यूल ऑप्शन को अपनाने की रफ्तार तेज हो रही है। कंपनी-वाइज बिक्री की बात करें तो महिंद्रा इस सेगमेंट में सबसे आगे रही। कंपनी ने सीवाय25 में करीब 2.38 लाख ट्रैक्टर बेचे। इसके बाद स्वराज, आईटीएल, टैफे और एस्कॉर्ट्स कुबोटा का नंबर रहा। जॉन डीरे, आयशर और सीएनएच जैसी कंपनियों ने भी अच्छी ग्रोथ दर्ज की है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर की मांग और तेजी से बढ़ सकती है। कम ऑपरेटिंग कॉस्ट, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं इस सेगमेंट को नई ऊंचाई पर ले जा सकती हैं। बता दें कि देश में ऑटोमोबाइल सेक्टर की रफ्तार भले ही टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर से तय होती दिखे, लेकिन ट्रैक्टर सेगमेंट भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राज्यों का राजकोषीय घाटा बढ़कर जीडीपी का 3.3 फीसदी हुआः आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का एकीकृत राजकोषीय घाटा बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.3 प्रतिशत हो गया है, जबकि पिछले तीन वर्षों में यह 3 प्रतिशत पर था। आरबीआई ने यह आंकड़ा सभी राज्यों द्वारा पेश किए गए बजट का विश्लेषण करने के बाद जारी किया। घाटे में बढ़ोतरी का मुख्य कारण केंद्र सरकार की विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों द्वारा लिए गए 50 वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण हैं। यह ऋण राज्यों की सामान्य शुद्ध ऋण सीमा से अतिरिक्त है। आरबीआई ने कहा कि राज्यों का पूंजीगत व्यय लगातार मजबूत बना हुआ है। 2023-24 और 2024-25 में यह जीडीपी का 2.7 प्रतिशत रहा, जबकि 2025-26 में यह 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका संकेत है कि राज्य अपनी विकास परियोजनाओं और निवेश पर जोर दे रहे हैं। महामारी के बाद राज्यों की एकीकृत बकाया देनदारियां उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। आरबीआई के अनुसार, यह मार्च 2026 तक जीडीपी का 29.2 प्रतिशत तक पहुंच सकती हैं। आरबीआई ने कहा कि राज्य जनसांख्यिकीय संक्रमण के विभिन्न चरणों में हैं। युवा आबादी वाले राज्यों के लिए बढ़ती कामकाजी आयु और मजबूत राजस्व अवसर हैं, जबकि बुजुर्ग होती आबादी वाले राज्यों को घटते कर आधार और बढ़ते व्यय का सामना करना पड़ रहा है।

श्रीराम फाइनेंस का मुनाफा दिसंबर तिमाही में 22 फीसदी घटा

मुंबई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) श्रीराम फाइनेंस ने दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 2,530 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 3,249 करोड़ रुपये से 22 फीसदी कम है। पिछली तिमाही (सितंबर) में शुद्ध लाभ 2,314 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि पिछले साल आवास वित्त इकाई की बिक्री से लाभ हुआ था, जिससे शुद्ध लाभ अधिक दिखा था। समीक्षाधीन तिमाही में मुख्य शुद्ध ब्याज आय 16 फीसदी बढ़कर 6,765 करोड़ रुपये हो गई। शुद्ध ब्याज मार्जिन 0.10 फीसदी बढ़कर 8.58 फीसदी हुआ और प्रबंधन ने कहा कि भविष्य में इसे 8.5 फीसदी से अधिक बनाए रखने का लक्ष्य है। कंपनी के तहत प्रबंधित परिसंपत्तियों में 14.63 फीसदी की वृद्धि हुई, जिससे विस्तार का संकेत मिलता है।

टोयोटा ने लांच की पहली ऑल इलेक्ट्रिक कार अर्बन क्रूजर एबेला

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार में टोयोटा ने अपनी पहली ऑल-इलेक्ट्रिक कार अर्बन क्रूजर एबेला को लॉन्च कर दिया है। अर्बन क्रूजर एबेला को कंपनी ने तीन ट्रिम लेवल ई1, ई2 और ई3 में पेश किया है, जिससे ग्राहकों को अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से विकल्प मिल सके। डिजाइन के मामले में यह कार काफी हद तक अपने बैज-इंजीनियर्ड वर्जन मारुति ई-विटारा जैसी नजर आती है, हालांकि टोयोटा ने इसमें अपनी पहचान के अनुसार कुछ बदलाव किए हैं। टोयोटा अर्बन क्रूजर एबेला में दो बैटरी पैक का ऑप्शन दिया गया है। बेस ई1 ट्रिम में 49केडब्ल्यूएच बैटरी मिलती है, जिसकी अराई-प्रमाणित रेंज 440 किलोमीटर बताई गई है। वहीं ई2 और टॉप ई3 ट्रिम में बड़ा 61केडब्ल्यूएच बैटरी पैक मिलता है, जो फुल चार्ज पर 543 किलोमीटर तक चलने का दावा करता है। दोनों ही वर्जन में फ्रंट एक्सल-माउंटेड इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो छोटे बैटरी पैक में 144एचपी और बड़े पैक में 171एचपी की पावर जनरेट करती है।

बेस ई1 ट्रिम में भी कई जरूरी फीचर्स दिए गए हैं, जैसे डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो व एप्पल कारप्ले। टॉप ई3 ट्रिम में वेंटिलेटेड सीटें, पावर्ड ड्राइवर सीट, लेवल-2 एडीएएस और सनरूफ जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलते हैं। रेंज, फीचर्स और टोयोटा के भरोसे के साथ अर्बन क्रूजर एबेला भारतीय ईवी बाजार में मजबूत दावेदारी पेश करती है। कलर ऑप्शन की बात करें तो यह इलेक्ट्रिक एसयूवी कुल 9 एक्सटीरियर रंगों में उपलब्ध है, जिसमें मोनोटोन और डुअल-टोन दोनों विकल्प शामिल हैं।

लेम्बोर्गिनी ने साल 2025 में 10,747 यूनिट बिक्री कर बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। लग्जरी सुपरकार निर्माता लेम्बोर्गिनी कंपनी ने साल 2025 में दुनियाभर में कुल 10,747 कारों की डिलीवरी कर सबसे बड़ा ग्लोबल सेल्स रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। लेम्बोर्गिनी ने यह साबित कर दिया कि उसकी ब्रांड वैल्यू और एक्सक्लूसिव अपील आज भी अमीर ग्राहकों के बीच बेहद मजबूत है। कंपनी की इस सफलता के पीछे हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर किया गया फोकस सबसे अहम वजह माना जा रहा है। लेम्बोर्गिनी की पहली वी12 हाइब्रिड सुपरकार रिवोल्टो, ऊरुस एसई प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी और आने वाली टेमेरारियो को ग्राहकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। खासकर उन खरीदारों ने इन कारों को पसंद किया, जो शानदार परफॉर्मेंस के साथ-साथ भविष्य की टेक्नोलॉजी भी चाहते हैं। इन मॉडलों ने न सिर्फ बिक्री बढ़ाई, बल्कि ब्रांड को नई दिशा भी दी। लेम्बोर्गिनी के चेयरमैन और सीईओ स्टेफन विंकेलमैन ने कहा कि कंपनी कभी भी ज्यादा वॉल्यूम के पीछे नहीं भागती, बल्कि स्थिर और लंबे समय की ग्रोथ पर भरोसा करती है। उनके मुताबिक, ग्राहकों की उम्मीदों को समझकर लिए गए रणनीतिक फैसलों की वजह से ही यह रिकॉर्ड संभव हो पाया। रीजन वाइज बात करें तो ईएमईए क्षेत्र में 4,650 यूनिट, अमेरिका में 3,347 यूनिट और एशिया पैसिफिक में 2,750 यूनिट की बिक्री हुई। टेमेरारियो की डिलीवरी शुरू होते ही लेम्बोर्गिनी दुनिया की पहली ऐसी सुपरकार ब्रांड बन जाएगी, जिसकी पूरी लाइन-अप हाइब्रिड होगी।

आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर ने बाजार में बनाई अपनी जगह

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

बीते महीने दिसंबर 2025 की टॉप-10 टू-व्हीलर्स की बिक्री सूची में आईक्यूब इकलौता इलेक्ट्रिक स्कूटर रहा, जिसने पेट्रोल मॉडल्स जैसे हीरो स्प्लेंडर और होंडा एक्टिवा के बीच अपनी जगह बनाई। दिसंबर में आईक्यूब की बिक्री 35,177 यूनिट्स रही। इसके अलावा, यह स्कूटर ग्राहकों के बीच भरोसेमंद और व्यावहारिक विकल्प के रूप में उभरा है, जबकि इसी सेगमेंट के अन्य इलेक्ट्रिक मॉडल सूची में जगह नहीं बना पाए।

आईक्यूब में बोस्क की हब-माउंटेड मोटर लगी है, जो शहर में स्मूद और स्थिर राइड देती है। इसकी टॉप स्पीड 82 किलोमीटर प्रति घंटा तक है और इसका वजन संतुलित रखा गया है। बड़े अंडर-सीट स्टोरेज, कलर टीएफटी डिस्प्ले, फ्रंट डिस्क ब्रेक और आरामदायक पिलियन बैकरेस्ट जैसी सुविधाएं इसे फैमिली यूज़ के लिए भी उपयुक्त बनाती हैं। आईक्यूब का 2.2केडब्ल्यूएच वेरिएंट सबसे किफायती विकल्प है, जो बीएलडीसी हब-माउंटेड मोटर से लैस है। कंपनी के अनुसार, एक बार फुल चार्ज करने पर यह स्कूटर लगभग 75 किलोमीटर तक चल सकता है। रोजाना 30 किलोमीटर की दूरी तय करने पर इसका मासिक खर्च लगभग 150 रुपये ही आता है, यानी प्रतिदिन केवल 3 रुपये में वाहन चलाया जा सकता है।

टॉप-10 लिस्ट में आईक्यूब की मौजूदगी यह दर्शाती है कि भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लेकर भरोसा लगातार बढ़ रहा है। कम खर्च, भरोसेमंद ब्रांड और व्यावहारिक फीचर्स इसे पेट्रोल स्कूटरों का मजबूत विकल्प बनाते हैं और भविष्य में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की मांग और भी बढ़ने की संभावना है। आईक्यूब की इस उपलब्धि से स्पष्ट होता है कि ग्राहक अब पारंपरिक वाहनों के अलावा कम खर्च और आधुनिक तकनीक वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की ओर भी तेजी से आकर्षित हो रहे हैं।

टोरेंट पावर बनी देश की सर्वश्रेष्ठ बिजली वितरण कंपनी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की प्रमुख बिजली कंपनी टोरेंट पावर ने केंद्रीय विद्युत मंत्रालय की 14वीं एकीकृत रैंकिंग में देश की 65 सरकारी और निजी बिजली वितरण कंपनियों में पहला स्थान हासिल किया। अहमदाबाद और सूरत स्थित लाइसेंस प्राप्त वितरण इकाइयों ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। यह रैंकिंग मुख्य रूप से वित्तीय स्थिरता, परिचालन उत्कृष्टता और अन्य बाहरी प्रदर्शन मानकों पर आधारित होती है। टोरेंट पावर ने टीएंडडी नुकसान, एटीएंडसी नुकसान और विश्वसनीयता जैसे प्रमुख मानकों में नए मानक स्थापित किए हैं। टोरेंट पावर के वाइस चेयरमैन ने कहा कि यह सम्मान कंपनी की संचालन उत्कृष्टता और उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वैश्विक सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप नए मानदंड अपनाए हैं। विद्युत मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित इस रेटिंग में देश की सभी निजी और सरकारी बिजली वितरण इकाइयों का संपूर्ण मूल्यांकन किया जाता है।

बीते सप्ताह सोना-चांदी ने तोड़ा रिकॉर्ड, निवेशकों में बढ़ी उत्सुकता

सोना 1,500 रुपए उछलकर 1.58 लाख के पार, चांदी में 9,500 रुपए की तेजी

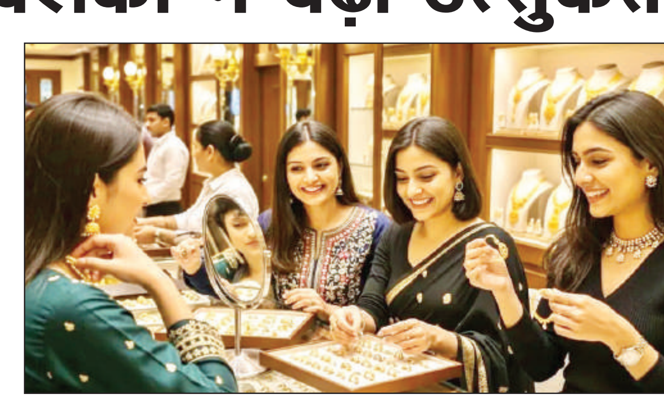

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने और चांदी की कीमतों ने बीते सप्ताह मजबूत रुझान बनाए रखा। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,500 रुपए बढ़कर 1,58,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। यह पिछले सत्र के 1,57,200 रुपए से बढ़ोतरी है। सप्ताह के दौरान बुधवार को सोने ने 1,59,700 रुपए प्रति 10 ग्राम का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ। अखिल भारतीय सर्राफा संघ और कारोबारियों के अनुसार यह तेजी वैश्विक बाजार में मजबूत रुझानों, स्टॉकिस्टों की नई खरीदारी और निवेश मांग में इजाफे के कारण आई। सप्ताह भर में सोने की कीमतों का क्रम इस प्रकार रहा- सोमवार 1,57,000 रुपए, मंगलवार 1,57,500 रुपए, बुधवार 1,59,700 रुपए, गुरुवार 1,57,200 रुपए और शुक्रवार 1,58,700 रुपए। हाजिर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,967.41 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी ने भी सोने की कीमतों को मजबूती दी। चांदी ने भी सप्ताह भर में जोरदार उछाल दिखाया। शुक्रवार को इसकी कीमत 3,29,500 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई, जो पिछले बंद भाव 3,20,000 रुपए से लगभग तीन प्रतिशत अधिक है। सप्ताह के दौरान चांदी की कीमतें सोमवार 3,18,000 रुपए, मंगलवार 3,21,000 रुपए, बुधवार 3,34,300 रुपए (सर्वकालिक उच्च), गुरुवार 3,20,000 रुपए और शुक्रवार 3,29,500 रुपए रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी ने पहली बार 99 डॉलर प्रति औंस की स्तर पार किया और कारोबार के दौरान 99.78 डॉलर के उच्चतम स्तर को छुआ। विश्लेषकों के अनुसार, सोना और चांदी की यह तेजी निवेशकों की मजबूत मांग, वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर की कमजोरी से प्रेरित है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तेलंगाना के...

डॉ. पालकोंडा विजय आनंद रेड्डी हैदराबाद के प्रख्यात ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। उन्हें कैंसर उपचार के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक के योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। वर्तमान में वे अपोलो कैंसर अस्पताल, हैदराबाद में निदेशक एवं वरिष्ठ सलाहकार ऑन्कोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत हैं।

ममिदी रामा रेड्डी को तेलंगाना में जमीनी स्तर पर समुदाय आधारित सहकारी संस्थाओं के माध्यम से जनसशक्तिकरण हेतु उनके योगदान के लिए मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। वे रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद गांव के निवासी थे।

आंध्र प्रदेश के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक गरिमेला बालकृष्ण प्रसाद को कर्नाटक संगीत एवं अन्नमाचार्य रचनाओं के संरक्षण व प्रचार हेतु मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। वे तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम सहित कई प्रमुख धार्मिक संस्थानों के अस्थाना विद्वान रहे।

तेलुगु सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता, निर्माता एवं पूर्व सांसद मगंती मुरली मोहन को सिनेमा एवं सार्वजनिक जीवन में उनके बहुआयामी योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया और जयभेरी आर्ट्स के माध्यम से अनेक सफल फिल्मों का निर्माण किया।

प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेता गड्डे राजेंद्र प्रसाद को फिल्म जगत में उनके उल्लेखनीय अभिनय योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। वे चार नंदी पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत हो चुके हैं। आंध्र प्रदेश से ही वेपती कुटुंबा शास्त्री को भी पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

नामपल्ली...

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शोरूम मालिक को हिरासत में ले लिया है। श्रीनिवास रेड्डी ने चेतावनी दी कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन ने कड़े कदम उठाने का फैसला किया है। कलेक्टर को निर्देश दिए गए हैं कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा नियमों और सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाए। वर्तमान में घटना की व्यापक जांच जारी है।

मृतकों की पहचान और सरकार का आश्वासन

अग्निकांड में जान गंवाने वालों की पहचान 60 वर्षीय बी.बी. अम्मम्मा, अखिल (7), प्रणीत (11), मोहम्मद इम्तियाज (31) और सैयद हबीब (30) के रूप में हुई है। सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएगी।

अलवाल के लेडीज हॉस्टल में एसी ब्लास्ट, 6 लड़कियां बेहोश

नामपल्ली अग्निकांड के अभी कुछ ही घंटे बीते थे कि शहर में आग लगने की एक और बड़ी घटना सामने आई। रविवार तड़के अलवाल पुलिस सीमा के तहत 'नाइन एजुकेशन' गर्ल्स हॉस्टल में शॉर्ट सर्किट के कारण एयर कंडीशनर (एसी) में जोरदार विस्फोट हो गया। इस हादसे के बाद धुएं और दम घुटने के कारण एक ही कमरे में मौजूद छह लड़कियां बेहोश हो गईं, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय निवासियों की सूझबूझ ने बचाई जान

दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना रविवार सुबह करीब 4:40 बजे हुई। जब हॉस्टल के कमरे में धुआं और आग की लपटें देखी गईं, तो दमकल की टीम के पहुंचने से पहले ही स्थानीय निवासी मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर आग पर काबू पाया और बेहोश लड़कियों को कमरे से बाहर निकाला।

शॉर्ट सर्किट बना हादसे की मुख्य वजह

अग्निशमन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया, सुबह करीब 4:40 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण एसी में ब्लास्ट हुआ और आग फैल गई। एक कमरे में छह लड़कियां अचेत अवस्था में मिलीं। स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को नियंत्रित किया। पीड़ितों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है।

सुरक्षा मानकों पर उठते सवाल

हैदराबाद में लगातार हो रहे इन हादसों ने व्यावसायिक और रिहायशी इमारतों में सुरक्षा ऑडिट पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शनिवार को नामपल्ली में फर्नीचर गोदाम में लगी आग ने 5 लोगों की जान ले ली थी। रविवार सुबह अलवाल की इस घटना ने प्रशासन को और अधिक सतर्क कर दिया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 26 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

झुंझुनूवाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम त्रिशक्ति महोत्सव का भव्य आयोजन

भजन संध्या व सैंड आर्ट ने सबका मन मोह लिया

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। झुंझुनू के विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का त्रिशक्ति महोत्सव रविवार दि. 25 जनवरी को सिकंदराबाद स्थित हरियाणा भवन में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भाग लिया।कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लिया। महोत्सव में कोलकाता से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक केशव मधुकर अपनी मधुर भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बनाया।महोत्सव का विशेष आकर्षण अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट नितीश भारती रहे। जिन्होंने बाबा गंगाराम जी की लीलाओं पर आधारित सैंड आर्ट की विशेष प्रस्तुति दी। उनकी अद्भुत कला का प्रदर्शन देखकर सभी मंत्रमुग्ध हुए। उल्लेखनीय है कि सैंड आर्ट की विशेष प्रस्तुति हैदराबाद में पहली बार की गई। जिसे देख श्रद्धालुओं ने एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव किया।

कार्यक्रम में ए.के. केजरीवा , हरिनारायण व्यास, केशव शर्मा, वाई.एस. श्रीनिवास राव, श्याम गोयनका, पवन डिडवानिया, संजय जालान, वरुण सराफ, गौरव अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, अमित मोदी, सरद संघवी, विनोद अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, कमलाकर येल्लापंतुला, अंकुर मोदी, संतो टाटिया, पवन गोयल, विकास गोयल, उमेश अग्रवाल, बाबू विश्वकर्मा, मनीष तालुका, वी. प्रणव कुमार, विशाल सराफ, संतोष टाटियां, ओमप्रकाश चिरानिया, धीरज अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, विशाल डीडवानिया, संतोष केजरीवाल, कुसुम सराफ, शिल्पा गोयनका, नेहा केजरीवाल, नूपुर केजरीवाल, अनुराधा शर्मा, मीना मोदी, सुप्रिया डीडवानिया, मधु अग्रवाल एवं सैकड़ों की संख्या में बाबा के भक्त उपस्थित थे।

तेलंगाना के पद्म नायकों का होगा भव्य अभिनंदन : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी करेंगे सम्मानित

हैदराबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जल्द ही हैदराबाद में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में राज्य के पद्म पुरस्कार विजेताओं का भव्य अभिनंदन करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा रविवार को घोषित पद्म पुरस्कारों की सूची में तेलंगाना की सात महान विभूतियों को पद्म श्री और एक को पद्म भूषण से नवाजा गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, वर्तमान में विदेश दौरे पर गए मुख्यमंत्री हैदराबाद लौटते ही इस सम्मान समारोह में शिरकत करेंगे।

इस वर्ष तेलंगाना की सात हस्तियों को पद्म श्री और विख्यात ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नोरी दत्तात्रेयुडु को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। इन पुरस्कारों ने विज्ञान, चिकित्सा, कला और कृषि जैसे क्षेत्रों में राज्य के दबदबे को वैश्विक पटल पर रेखांकित किया है।

तेलंगाना सरकार अपनी प्रतिभाओं को सम्मानित करने की समृद्ध परंपरा को जारी रखे हुए है। पिछले वर्ष शिल्प कला वेदिका में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और अभिनेता चिरंजीवी जैसे दिग्गजों का भव्य सम्मान किया गया था।

इस वर्ष भी उसी भव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें वरिष्ठ मंत्री, विधायक और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी।पद्म पुरस्कारों की यह सूची न केवल तेलंगाना बल्कि आंध्र प्रदेश के लिए भी सुखद रही, जहाँ के चार नागरिकों को पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। यह समारोह राज्य की सामूहिक प्रगति और उत्कृष्टता का उत्सव बनेगा।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आज दिनांक 25 जनवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे से 01:00 बजे तक कौथा कामकोटि कल्याण वेदिका, पद्माराव नगर, सिकंदराबाद में मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन साध्वी भावना भारती जी द्वारा किया गया। सत्संग में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं साधक उपस्थित रहे, जिन्होंने श्रद्धा एवं एकाग्रता के साथ प्रवचनों का श्रवण किया।

मुख्य वक्ता साध्वी निशंका भारती जी ने अपने प्रवचन में कहा कि प्रभु की अंतर्यामिता को वही साधक समझ सकता है, जो अनन्य भाव से उनका भजन करता है। उन्होंने कहा कि जब शिष्य एकनिष्ठ भाव से सद्गुरु का चिंतन करता है, तब सद्गुरु स्वयं उसके योग-क्षेम का वहन करते हैं।ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने शास्त्रों में वर्णित उक्ति सा विद्या या विमुक्तये का उल्लेख करते हुए कहा कि वही ज्ञान सार्थक है, जो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करे। उन्होंने कहा कि अज्ञानी से जिज्ञासु श्रेष्ठ है, किंतु उससे भी श्रेष्ठ वह साधक है, जो तत्वनिष्ठ गुरु से प्राप्त ज्ञान का निरंतर अभ्यास कर उसे अपने जीवन में उतारता है।

साध्वी जी ने ध्यान साधना पर विशेष बल देते हुए कहा कि नियमित ध्यान से विवेक जाग्रत होता है तथा जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान संभव होता है। उन्होंने सभी साधकों से गुरु आज्ञा में रहकर नित्य प्रति ध्यान साधना करने का आह्वान किया। सत्संग के उपरांत सभी उपस्थित साधकों ने सामूहिक साधना में भाग लिया। शिष्यों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों से संपूर्ण वातावरण दिव्यता से ओ-तप्रोत हो गया। कार्यक्रम का समापन मंगल आरती एवं भंडारे के साथ श्रद्धा एवं उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।

निस्वार्थ सेवा से मानवता सशक्त होती है : अरुण विजयवर्गीय

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं को सशक्त रूप देते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नियमित निःशुल्क अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने श्रद्धा और समर्पण भाव के साथ किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, निराश्रितों एवं श्रमिकों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए अरुण विजयवर्गीय ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही मानवता को सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि जब सेवा कार्य बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के किया जाता है, तब वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रखता है। अन्नदान जैसी सेवाएँ न केवल भूख से राहत प्रदान करती हैं, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और भाईचारे की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। अरुण विजयवर्गीय ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर संचालित अन्नदान सेवा समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के लिए आशा की किरण है। इस प्रकार के सेवा कार्य युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों को सामाजिक दायित्व और सेवा संस्कार के प्रति जागरूक करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने पूर्ण समर्पण भाव के साथ अन्नदान कर नर सेवा ही नारायण सेवा के संदेश को आत्मसात किया।

दोमलगुड़ा सुंदरकांड मंडली ने धूमधाम से मनाया वसंतोत्सव

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । वसंत पंचमी के अवसर पर एसएमआर रेजिडेंसी, दोमलगुड़ा में अग्र महिला मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग के निवास पर सुंदरकांड मंडली ने वसंतोत्सव मनाया। सदस्याओं ने माता सरस्वती की पूजा-अरती की, भजन गाए और सुंदरकांड पाठ किया। सभी ने पीले वस्त्र धारण कर भक्तिमय वातावरण बनाया तथा प्रसाद वितरण किया।कार्यक्रम में प्रमुख सदस्याएं अंजू गोयल, मोनिका जालान, कुसुम, सुषमा गुप्ता, डॉ. दीपा, मोनिका अग्रवाल, निर्मला, अनीता जोशी, पिंकी, मधु गोयल, अमिता बगड़िया, सीमा गर्ग, सीमा पित्ती, पुष्पा अग्रवाल, सपना गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, सरला अग्रवाल और मीना कुंछल उपस्थित रहीं।

सिखवाल युवा एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित

नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप में 275 समाजबंधुओं की आंखों की जांच की गई

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज के युवा प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा गत सप्ताह आयोजित निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप में समाज के 275 समाजबंधुओं ने अपनी आंखों की जांच करवाई। जांच के दौरान अनेक लोगों में मोतियाबिंद एवं आंखों से संबंधित अन्य समस्याएं पाई गईं, जिसके पश्चात आवश्यकता अनुसार कुल 210 चश्मे तैयार किए गए। निःशुल्क तैयार किए गए चश्मों का वितरण आज रविवार, 25 जनवरी 2026 को श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा परिसर में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में

समाजबंधुओं ने उपस्थित होकर अपने-अपने चश्मे प्राप्त किए।

आयोजकों द्वारा जानकारी दी गई कि यदि किसी भी स्वजातीय समाजबंधु को अब तक चश्मा प्राप्त नहीं हुआ हो, तो वे रामदेव नागला (मो. 6300534407), नरेश पांडिया (मो. 9398428251) से संपर्क कर अपना चश्मा प्राप्त कर सकते हैं।

चश्मा वितरण कार्यक्रम के दौरान रामदेव नागला, नरेश पांडिया, नटवरलाल व्यास, भागीरथ पांडिया, संदीप जायलवाल, पवन पुरोहित, दिनेश पांडिया, विष्णु पांडिया, अनिल जायलवाल, सतवीर उपाध्याय सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे समाजहित में एक सराहनीय पहल बताया।

सेवा ही संकल्प है : मनीष गुप्ता

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान केंद्र पर शनिवार को मनीष गुप्ता ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि

राधे-राधे ग्रुप का सेवा ही संकल्प है। यह हमारे परिवार की परंपरा और संस्कारों का परिणाम है। मेरे पिताजी, चाचा जी और हमारे परिवार ने हमेशा सेवा और मानवता को जीवन का आधार बनाया। यही संस्कार हमें समाज की सेवा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनका परिवार हमेशा समाज की सेवा को प्राथमिकता देता आया है। यही संस्कार उन्हें राधे-राधे ग्रुप के माध्यम से समाज में फैलाने की प्रेरणा देते हैं। मनीष गुप्ता ने उपस्थित लोगों से अपील की कि हर व्यक्ति अपने जीवन में सेवा को संकल्प बनाए और समाज के लिए अपने योगदान को आगे बढ़ाए।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य समाजसेवियों ने भी मनीष गुप्ता के विचारों की सराहना की और कहा कि इस तरह की सेवा भावनाएँ समाज में भाईचारा और समरसता को मजबूत करती हैं। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, गोपाल गोयल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, रोहित अग्रवाल, गौरव गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, मनीष प्रीति अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत आदि उपस्थित थे।

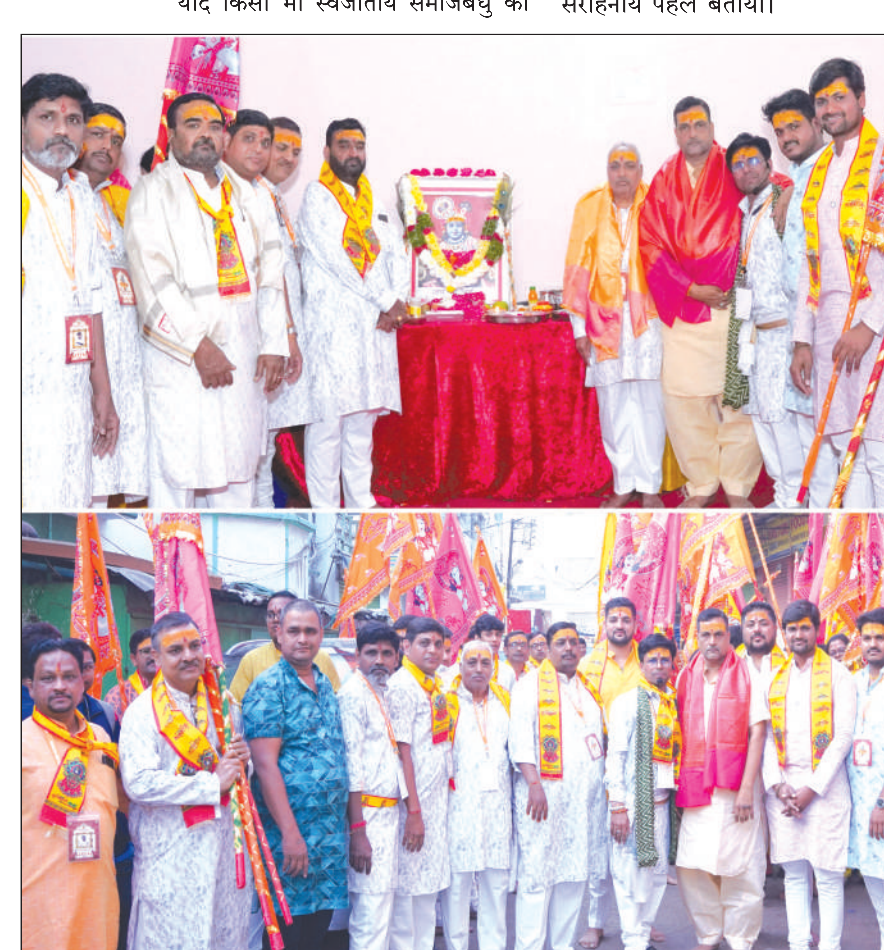

भाग्यनगर की श्री लखदातार कीर्तन मंडल ने फागुन महोत्सव के उपलक्ष्य में बेगम बाजार से श्री श्याम मंदिर कचिगुड़ा तक श्याम बाबा की भव्य निशान शोभायात्रा निकाली। भजन गायक संदीप अग्रवाल के नेतृत्व में मंडल सदस्य शिव शंकर गोयल, संजय अग्रवाल, नितेश मित्तल, नितिन गोयल, राहुल अग्रवाल, मिथुन अग्रवाल, जयप्रकाश सांवरिया, आलोक चोपड़ा, नरेंद्र शर्मा, गोपाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए।गौ सेवा मित्र मंडल के मनोज अग्रवाल, गोपाल दास, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों ने यात्रा में भागीदारी की तथा स्वागत किया। शोभायात्रा भक्तिमय माहौल में संपन्न हुई।

रानी सती दादी महिला शाखा ने धूमधाम से मनाई वसंत पंचमी

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । रानी सती दादी महिला शाखा (घांसी बाजार) ने वसंत पंचमी के अवसर पर रानी सती मंदिर में मां सरस्वती की पूजा हर्षोल्लास से की। सर्वप्रथम मां की आरती उतारी गई, मधुर भजन गाए गए और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया गया।

उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्यों में अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल, सह-मंत्री सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य कविता गोयल तथा कार्यकारिणी सदस्य सीमा अग्रवाल, चित्रा अग्रवाल, देविका अग्रवाल, कांता अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, प्रणव आदि शामिल रहीं।

एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन हैदराबाद महिला समिति के सखी संगम की महिला सदस्यों ने बसंत पंचमी के अवसर पर वर्गल, सिद्दिपेट स्थित श्री विद्या सरस्वती मंदिर में पूजा अर्चन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में वंदना राठी ,शोभना भट्टड, आशा डागा, रश्मि सोमानी, मीता ताना, अनुराधा अग्रवाल, संगीता सराफ, माला लॉय, राधा बटन, सरिता अटल, संतोष मालानी आदि ने भाग लिया।

77वें गणतंत्र दिवस पर गीत चाँदनी की राष्ट्रीय कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी ने 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय कवि गोष्ठी और पत्रिका अनिल अभिव्यक्ति पर मूल्यांकन चर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम 26 जनवरी को प्रातः 11 बजे कवि भवन में होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ कवि अशोक दोशी द्वारा ध्वज फहराकर होगा। अध्यक्षता अध्यक्ष चंपालाल बैद करेंगे। मुख्य वक्ता डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आशा ठाकुर, ममता मिश्रा, संतोष कुमार मिश्रा ङ्माधुर्यफ और आरती कुमारी वर्तमान भारत में राष्ट्रीय एकता और कवियों की भूमिका पर बोलेंगे।राष्ट्र की सुरक्षा में कवियों की भूमिका विषय पर विशेष काव्य-पाठ होगा। संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव होंगी। कवि अशोक दोशी मिष्ठान्न-जलपान की व्यवस्था करेंगे। संस्था पदाधिकारियों ने साहित्य-अनुरागियों से उपस्थिति की अपील की है।

झुंझुनूं प्रगति संघ, हैदराबाद की मासिक सभा में उपस्थित अध्यक्ष राज कुमार पसारी, उपाध्यक्ष- कुंज बिहारी मित्तल और शंकर लाल तुलस्यान, सचिव- संदीप ढेढ़िया, कोषाध्यक्ष- नितिन तुलस्यान, निवर्तमान अध्यक्ष- डॉ. दिलीप पंसारी, सदस्य आनंद तुलस्यान और उमेश उदयपुरिया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर लोकतंत्र का उत्सव

#Oath2Vote और #Run4Vote INDIA (VOTEaTHON) में उमड़ा जनसैलाब

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का शानदार संगम रविवार सुबह हैदराबाद के संजीवैया पार्क, नेकलेस रोड पर देखने को मिला। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित #Oath2Vote और #Run4Vote INDIA (VOTEaTHON) अभियान एक ऐतिहासिक सफलता के रूप में संपन्न हुआ। सुबह 6:30 से 9:30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में शहर के हर वर्ग के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भारतीय संविधान और चुनावी प्रक्रिया में अपनी अटूट आस्था प्रकट की।

ऊर्जावान शुरुआत और मतदाता शपथ का संकल्प

कार्यक्रम का आगाज़ सुबह 6:30 बजे एक जीवंत 'जुम्बा वॉर्म-अप' सत्र के साथ हुआ, जिसने प्रतिभागियों में जबरदस्त जोश भर दिया। वनीश्री और वर्तिका के कुशल संचालन ने माहौल को उत्साह से सराबोर कर दिया। सुबह 8:05 बजे आर्मी बैंड द्वारा 'वंदे मातरम' की सुमधुर प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति का संचार किया।

तेलंगाना प्रवासी समाज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (टीपीएसडब्ल्यूओ) के मुख्य संयोजक श्री सुभाष अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए मतदान को लोकतंत्र की आधारशिला बताया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को #Oath2Vote की शपथ दिलाई, जिसमें सभी ने हर चुनाव में वोट देने, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने और मतदान को एक पवित्र कर्तव्य मानने का संकल्प लिया। 'मेरा वोट, मेरा गर्व' और 'मेरा गणतंत्र, मेरी जिम्मेदारी' जैसे नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

मुख्य अतिथियों का संबोधन और विशाल EVM का अनावरण

जीएचएमसी के जोनल कमिश्नर श्री हेमंत केशव पाटिल (आईएएस) ने सभा को संबोधित करते हुए शहरी शासन में नागरिकों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। सुबह 8:40 बजे एक प्रतीकात्मक और प्रभावशाली क्षण आया, जब श्री अजय मिश्रा (रिटायर्ड आईएएस) ने गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में रिबन काटकर 'विशाल बैलेट मशीन पट्टिका' का अनावरण किया। यह अनावरण एक लोकतांत्रिक गणराज्य में जनता की आवाज और EVM की शक्ति का प्रतीक था।

इसके पश्चात, 8:50 बजे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण #Oath2Vote और #Run4Vote INDIA (VOTEaTHON) शुरू हुआ। इसे मेजर जनरल अजय मिश्रा (जीअ-ोसी, तेलंगाना) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

देशभक्ति का जज्बा और गणमान्य हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति

मेजर जनरल अजय मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि मतदान करना केवल एक नागरिक कार्य नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के समान एक देशभक्तिपूर्ण कर्तव्य है। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में अनुशासन और गौरव का भाव भर दिया। सुबह 9:25 बजे आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद के मिलिट्री बैंड द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ माहौल अत्यंत भावुक और गरिमामय हो गया। इस आयोजन में मेजर जनरल अजय मिश्रा, श्री हेमंत केशव पाटिल और श्री अजय मिश्रा के अलावा आर.एन. गुप्ता, अजय अग्रवाल, श्रीकिशन शर्मा, रमेश बंग, हरिकिशन ओझा, गोपू रमना रेड्डी, रश्मी रंजन, नरेंद्र शर्मा, संदीप जयलाल, संजय सिंह, आलोक झा, डी.के. गोयल, दिनेश बंसल, राजेश्वर गौड़, उदय गुप्ता, एम. सुनील, पुरुषोत्तम अग्रवाल, तरुण मेहता, मीनाक्षी, मोहित जैन, मुकेश कटारिया, उमाशंकर गोयनका, मनोज अग्रवाल, स्वर्ण कृष्ण मूर्ति, सीमा जैन, चंद्र शेखर देशपांडे, असित अबकारी, पारसमल रांका, अनिल लालवानी और किरीट मसरानी सेठ जैसे प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री प्रीति अग्रवाल ने किया। एनसीसी कैडेट्स और आर्मी बैंड के सहयोग ने आयोजन को भव्यता प्रदान की। राधे-राधे ग्रुप (जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश गोयल, सतीश अग्रवाल, महेश अग्रवाल एवं टीम) द्वारा जलपान की उत्तम व्यवस्था की गई। अंत में श्री अजय अग्रवाल ने सभी अतिथियों, स्वयंसेवकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

माथुर वैश्य समाज के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता (रंगवाले) को गद्धांजलि अर्पित करती हुई केन्द्रीय महिला मंडल सांस्कृतिक संयोजिका श्रीमती सपना विमल गुप्ता।

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 293860F Nb Sub S AROCKIA DOSS, Resident of Vill:NP Singh Aryapuram, P.O:Venkttan Kuruchi, Teh: Paramakudi, Dist:Ramanathapuram, Tamilnadu-623707 hereby declare that my Son name is changed from RAJA YAKSHAN to RAJA YAKSHAN A vide affidavit dt:22-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SHAMMAN SHUMMARY Mother of Service No.JC 293860F Nb Sub S AROCKIA DOSS, Resident of Vill:NP Singh Aryapuram, P.O:Venkttan Kuruchi, Teh: Paramakudi, Dist:Ramanathapuram, Tamilnadu-623707 have changed my name from SHAMMAN SHUMMARY to SAMMANASUMERY vide affidavit dt:22-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SEBASTIAN Father Service No.JC 293860F Nb Sub S AROCKIA DOSS, Resident of Vill:NP Singh Aryapuram, P.O:Venkttan Kuruchi, Teh: Paramakudi, Dist:Ramanathapuram, Tamilnadu-623707 have changed my name from SEBASTIAN to SEBASTHIYAN vide affidavit dt:22-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, IDHAYA ASHNA Daughter of Service No.JC 293860F Nb Sub S AROCKIA DOSS, Resident of Vill:NP Singh Aryapuram, P.O:Venkttan Kuruchi, Teh: Paramakudi, Dist:Ramanathapuram, Tamilnadu-623707 have changed my name from IDHAYA ASHNA to IDHAYA ASHNA A vide affidavit dt:24-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

राजस्थानी शिक्षा समिति की नव-निर्वाचित कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण सम्पन्न

निजामाबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर की प्रमुख शिक्षण संस्था राजस्थानी शिक्षा समिति की नव-निर्वाचित कार्यकारिणी समिति का शपथग्रहण समारोह स्थानीय राष्ट्रपति मार्ग स्थित हरिचरण मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट चेयरमैन प्रेमलता अग्रवाल उपस्थित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदा की पूजा अर्चना एवं दानवीर सेठ श्री हरिचरणजी अग्रवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ सम्पन्न हुआ

। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि प्रेमलता अग्रवाल का स्वागत संस्था के निवर्तमान अध्यक्ष श्यामसुन्दर अग्रवाल एवं श्यामसुन्दर अग्रवाल का स्वागत संस्था के निवर्तमान मन्त्री श्रीवल्लभ सारड़ा के करकमलों से किया गया । इसी क्रम में कार्यक्रम का स्वागत भाषण संस्था के निवर्तमान अध्यक्ष श्यामसुन्दर अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया । संस्था के निवर्तमान कोषाध्यक्ष श्रीराम सोनी ने संस्था से संबंधित पाँच साल की उपलब्धियों एवं लेखा-जोखा की विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित गणमान्य सदस्यों को अवगत कराया । इसी क्रम में संस्था के मुख्य चुनाव अधिकारी विनोद कुमार अग्रवाल ने अपना चुनावी विवरण एवं विजयी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए । इसके पश्चात् संस्था के संस्था के निवर्तमान पदाधिकारियों द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी विनोद कुमार अग्रवाल, सहायक चुनाव अधिकारी श्रीनिवास पारीक, पुरुषोत्तम मालू एवं अशोक कुमार मालू को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सत्कार किया गया । इसी क्रम में संस्था के निवर्तमान पदाधिकारी जिनमें अध्यक्ष ओमनारायण अट्टल, श्यामसुन्दर अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनय कुमार सोनी, मन्त्री श्रीवल्लभ सारड़ा, उपमन्त्री पवन कुमार मुन्दड़ा, कोषाध्यक्ष श्रीराम सोनी, कार्यकारिणी सदस्य अशोक कुमार मालू, जुगलकिशोर जाजू, रामेश्वर तोतला (पिटूं), श्रीकांत झँवर, गोविन्दप्रसाद झँवर, अनिल कुमार मुन्दडा, राजेंद्र पाण्डे, घनश्यामदास उपाध्याय, पवन कुमार बंग, मधुसूदन मालू, रमेश कुमार राठी, गौरीशंकर दायमा, सतीश कुमार व्यास, गोविन्द पारीक, श्यामसुन्दर तिवाड़ी, सीताराम पाण्डे, हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट के ट्रस्टीगण पूनमचन्द गुप्ता, पवन कुमार केडिया, वेदप्रकाश मित्तल, ओमनारायण अट्टल, कमलकिशोर इन्नाणी को भी स्मृतिचिन्ह भेंट कर स्वागत सत्कार किया गया ।

तत्पश्चात् संस्था के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष श्रीवल्लभ सारड़ा, उपाध्यक्ष नरेश कुमार तिवाड़ी, मंत्री जितेंद्र मालानी, उपमंत्री राजेंद्र पाण्डे, कोषाध्यक्ष श्रीकांत झँवर, नव-निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्य रामजीवन व्यास (गुड्डू), नितिन दायमा, गणेश तिवारी, जुगलकिशोर सोनी आनन्द राठी, राजेश कुमार तिवाडी, पवन कुमार सारड़ा, राजेश बंग, सुरेश झँवर, अंकुश अग्रवाल, योगेश दायमा, संतोष अग्रवाल, श्याम छापरवाल, सोहन इन्नाणी एवं महेश पारीक को कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल ने अपने करकमलों से पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई ।इसी क्रम में संस्था के नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्रीवल्लभ सारड़ा, उपमन्त्री राजेंद्र पाण्डे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के सभी गणमान्य सदस्यो के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्था द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं के विकास एवं उत्थान हेतु अपनी आगामी कार्य योजनाओं से उपस्थितों को अवगत कराया । मुख्य अतिथि श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ देते हुए निवर्तमान पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के सेवाभावी एवं समर्पित सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की । इसी क्रम में उन्होंने आगे कहा कि पाँच विद्यार्थियों से प्रारंभ हुआ हरिचरण मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय आज एक विशाल वट-वृक्ष के रुप में शिक्षा के क्षेत्र में सेवारत है ।

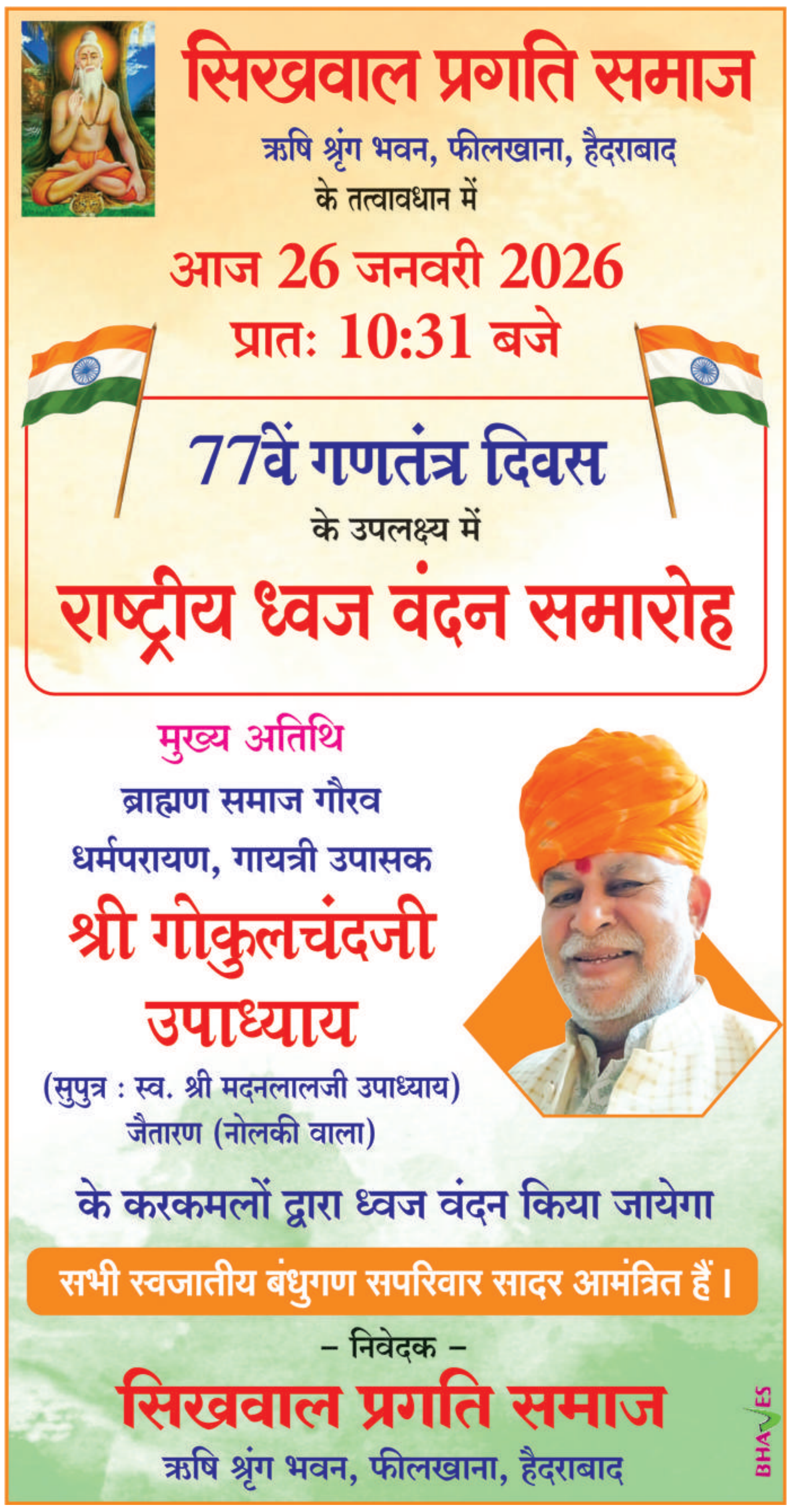

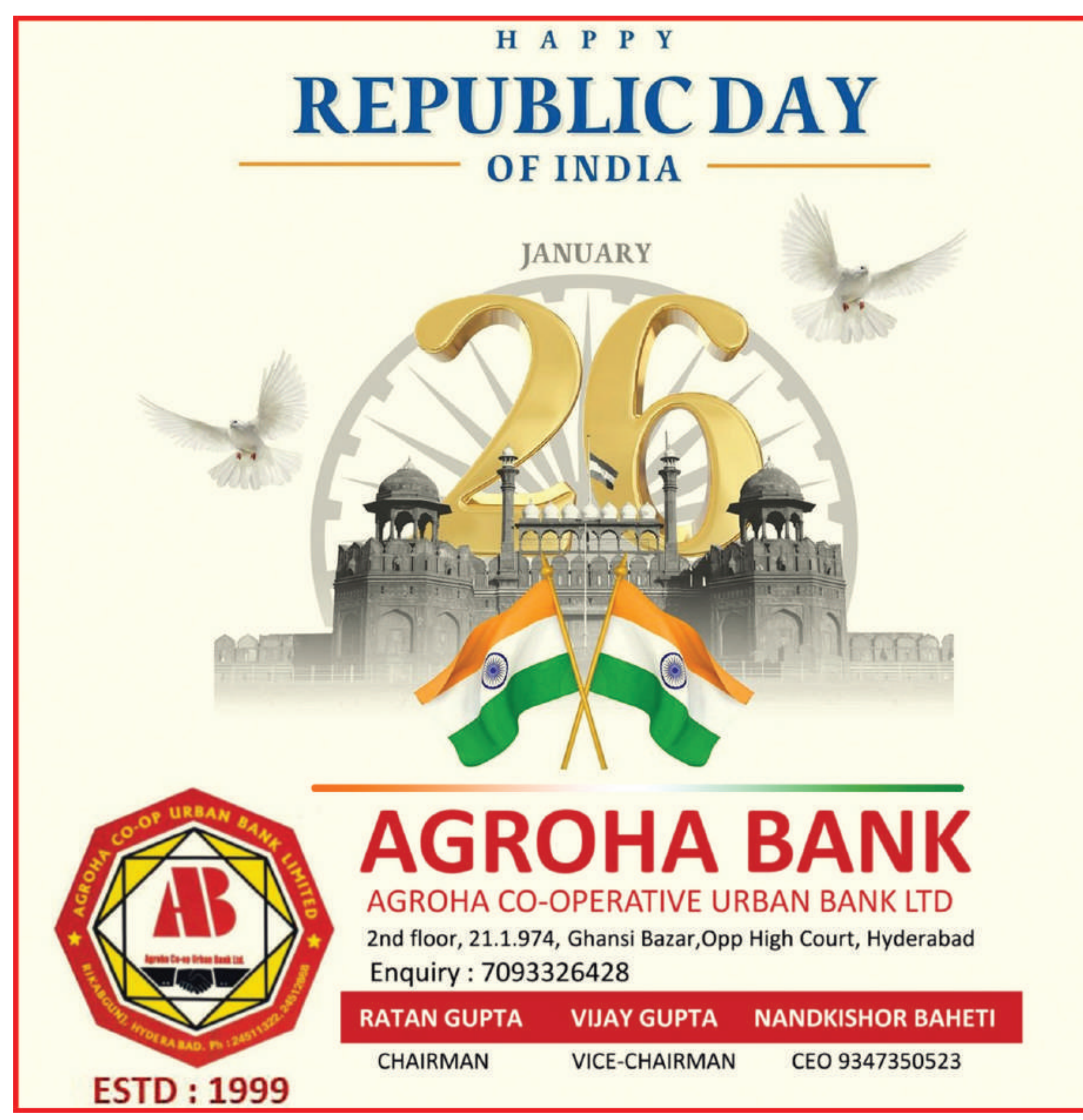

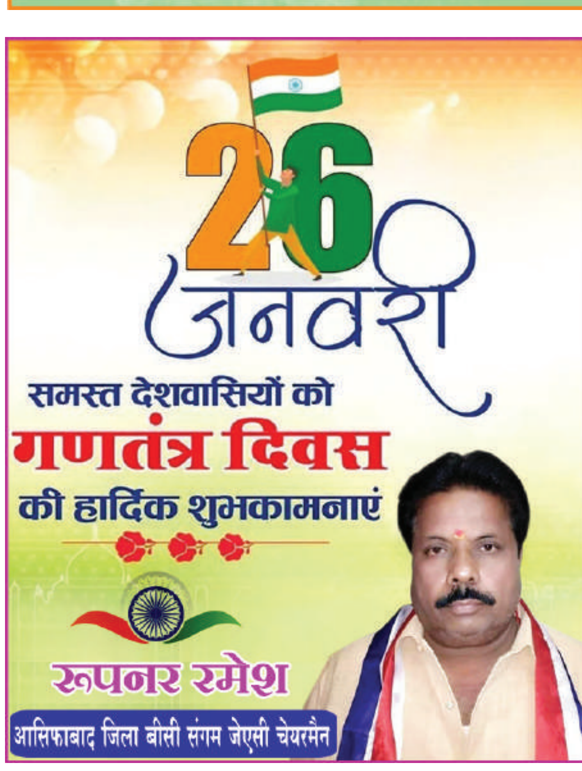

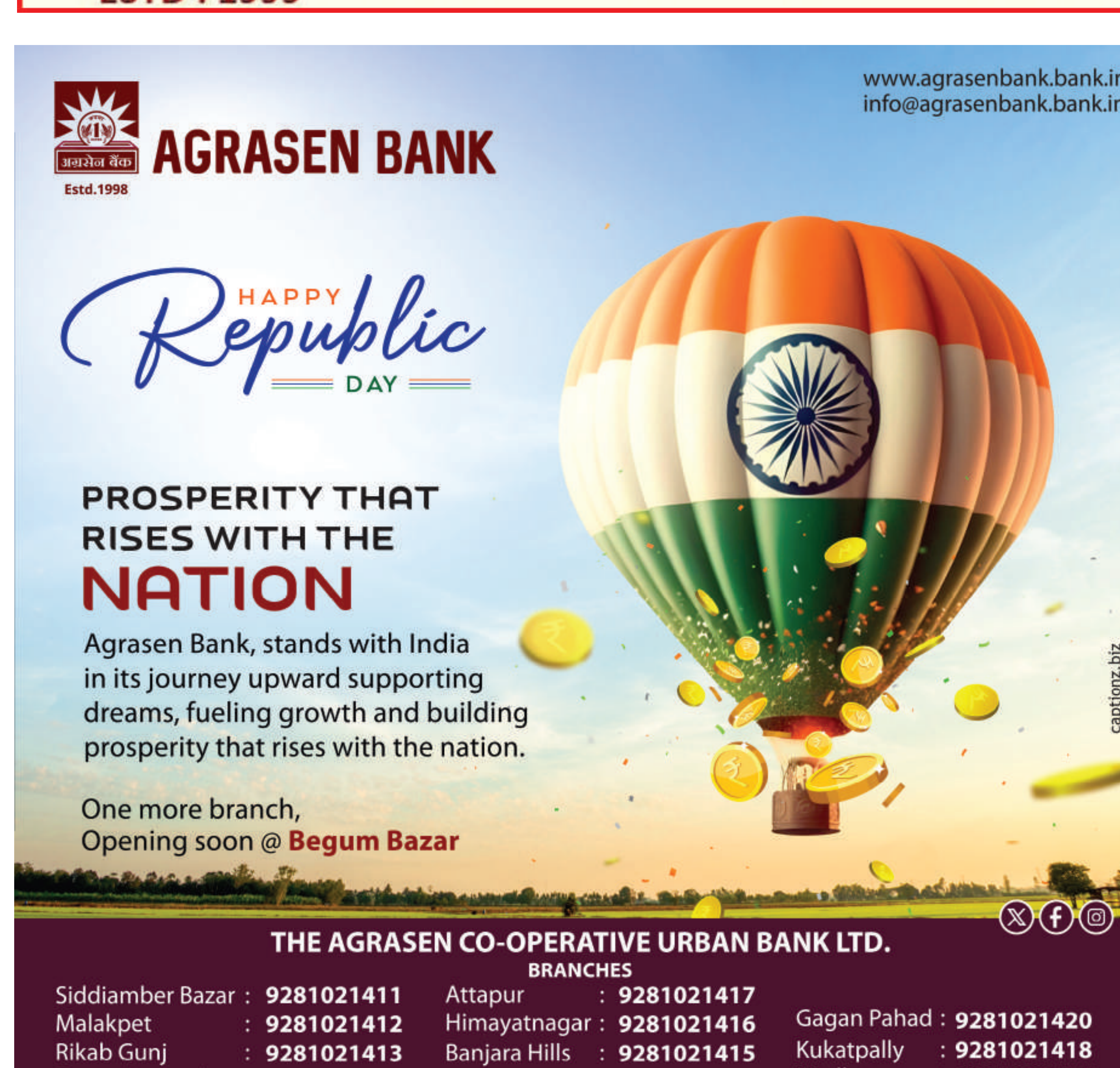

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.